सालार जंग संग्रहालय हैदराबाद

वार्षिक रिपोर्ट

और परीक्षित लेखा
वर्ष 2021-2022 के लिए

सालार जंग संग्रहालय
हैदराबाद

विषय सूची

वार्षिक रिपोर्ट

क्रम सं.		पृष्ठ सं.
01.	संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और क्रम विकास	02-03
02.	संस्थापकों का इतिहास	04
03.	संग्रहालय की वर्तमान स्थिति	04
04.	दीर्घाएं, भंडार, पांडुलिपियां, उद्देश्य, क्रियाकलाप, दर्शक सुविधाएं	05-19
05.	संग्रहालय के क्रियाकलाप	20-22
06.	सालार जंग संग्रहालय बोर्ड और उप-समितियां	23-28
07.	वित्तीय स्थिति एक नजर में	29
08.	गतिविधियां, अस्थाई प्रदर्शनियां, विशेष वार्ता, कार्यक्रम	30-37
09	संग्रहालय गतिविधियां, डिजिटाईजेशन	38
10	विकास कार्य	
	दीर्घाओं का पुनर्गठन, विस्तार	38
	वार्षिक लेखा	39-65
.	लेखा परीक्षा रिपोर्ट	66-72

सालार जंग संग्रहालय

संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और विकास

हैदराबाद का सालार जंग संग्रहालय विश्व के यूरोपीय, एशियाई और सुदूरपूर्व देशों के विभिन्न कलात्मक उपलब्धियों का भंडार है. इस संग्रहालय के बड़े भाग को नवाब मीर यूसुफ अली खान के द्वारा संग्रहण किया गया, जिन्हें सालार जंग -III के रूप में जाना जाता है. इसमें कुछ दुर्लभ वस्तुएं उनके दादा नवाब मीर तुरब अली खान, सालार जंग -I से विरासत में मिली. एक मनमोहक और संग्रहालय की प्रतिष्ठित संपदाओं में से एक संगमरमर की मूर्ति "बुरकापोश रेबेका" को सालार जंग -I द्वारा रोम में सन् 1876 में खरीदा गया था. परिवार की इसी परंपरा और कलात्मक वस्तुओं की प्राप्ति करने का निजी उत्साह तीन पीढ़ियों तक जारी रहा. सालार जंग -III ने 1914 में निज़ाम के प्रधान मंत्री के पद से मुक्त होने के बाद भी जारी रहा और अपनी मृत्यु होने तक उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन संग्रह, कला व साहित्य के खज़ानें को बढ़ाने में लगा दिया. चालीस वर्षों से अधिक समय तक कीमती और दुर्लभ कलाकृतियों को संग्रह करने की उनके इसी प्यार की चेष्टा ही है, जो सालार जंग संग्रहालय में शोभामान हैं. सालार जंग -III की मृत्यु के बाद, किसी सीधे उत्तराधिकारी के अभाव में, अमूल्य कलात्मक वस्तुओं और उनके पुस्तकालय के विस्तृत संग्रहालय को सालार जंग -III के पुश्तैनी महल में रखा गया था, नवाब के संग्रह को संग्रहालय का रूप देने के लिए श्री एम.के. वेलोदी, हैदराबाद राज्य के तत्कालीन मुख्य सिविल प्रशासक के मन में विचार उत्पन्न हुआ. उन्होंने सालार जंग -III के विभिन्न महलों में बिखरे पड़े कला-कृतियों और कुतूहल पैदा करनेवाले वस्तुओं को लेकर संग्रहालय बनाने के लिए ख्याति प्राप्त कला समीक्षक डॉ. जेम्स कजिन्स से संपर्क किया.

डॉ. कजिन्स ने सुझाव दिया कि इस कार्य के लिए श्री जी. वेंकटाचलम कला समीक्षक की सेवाएं ली जाए. श्री वेंकटाचलम के समक्ष विकट समस्या थी कि विशाल संग्रहण में से किसे चुनें, जो संग्रहालय के लिए संगत था. प्रस्तावित संग्रहालय का स्थान "दीवान देवड़ी" ही था, जो सालार जंग का पुश्तैनी महल था, जहां जनाब मीर यूसुफ अली खान ने अपना पूरा जीवन बिताया. इस तरह से नवजात संग्रहालय का नियंत्रण

और पर्यवेक्षण सालार जंग संपदा समिति के हाथ में ही रहा. इसके बाद 16 दिसंबर, 1951 को उनके नाम की निरंतरता को कायम रखने की कल्पना से दीवान देवड़ी में सालार जंग संग्रहालय का उद्गम हुआ, जिसे भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री, पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा जनता के लिए खोल दिया गया था. इस प्रकार वर्तमान सालार जंग संग्रहालय अस्तित्व में आया. यद्यपि संग्रहालय का प्रशासन वर्ष 1958 तक सालार जंग संपदा समिति के हाथों में ही था. सालार जंग के वंशज उच्च न्यायालय की 26 दिसंबर, 1958 की एक डिक्री के आधार पर संपूर्ण संग्रहण को भारत सरकार को दान देने के लिए एक समझौते पर उदारता से सहमत हुए. उसके बाद 1961 तक संग्रहालय का प्रशासन, भारत सरकार के अधीन रहा.

संसद के अधिनियम 1961 की सं.26 द्वारा सालार जंग पुस्तकालय के साथ-साथ सालार जंग संग्रहालय को " राष्ट्रीय महत्व " का संस्थान के रूप में घोषित किया गया और इसके प्रशासन एवं अन्य संबंधित मामलों के देखभाल के लिए सालार जंग संग्रहालय मंडल स्थापित किया गया.

भारत सरकार को संपदा सौंपते समय सालार जंग संपदा समिति द्वारा देखभाल किये गये वस्तुओं को विधिवत सूचीबद्ध किया गया. रजिस्टरों में सूचीबद्ध संग्रहण की वस्तुसूची उर्दू भाषा में लिखी गई थी, जो इसका मौलिक रिकार्ड है. वर्ष 1963 और 1964 के दौरान पूर्व रजिस्टरों के आधार पर अंग्रेज़ी में एक 109 जोडियों की वस्तुसूची-रजिस्टर तैयार किया गया, जिसमें वस्तुओं का ब्यौरे-वार विवरण, उनके नाप और उनके संबंधित चित्रों सहित दर्शाया गया है. 1976 में अंग्रेजी में एक नए रजिस्टर की जोडी बनाई गई, जिसे मास्टर लेड्जर्स/सामान्य आवाप्ति रजिस्टर कहा जाता है, जो वस्तुसूची रजिस्टरों का विकसित रूप है.

सालार जंग परिवार का पीढ़ियों तक विद्वत्ता, शिक्षण और राजमर्मज्ञता के क्षेत्र में यशस्वी इतिहास रहा है ओर इन दुर्लभ कलाकृतियों, पांडुलिपियों तथा पुस्तकों के विशालतम संकलन में बहुत बड़ा योगदान रहा है, जिन्हें अब संग्रहालय में रखा गया है.

नवाब मीर युसुफ़ अली खान बहादूर सालार जंग - III

नवाब मीर यूसुफ़ अली खान का कलाकृतियों के प्रति उत्साहवर्धक प्रेम जग हरेक को जाहिर था. उनका महल ऐसे व्यक्तियों से भरा होता था, जिनके पास बेचने लायक कुछ न कुछ वस्तुए होती थीं. इस प्रकार उनके चयन के लिए पांडुलिपियां, मुद्रित पुस्तकें, लघु चित्रकारियां, सुलेख, फलक और सभी प्रकार की कलाकृतियां उनके यहां लाई जाती थीं. भारत के विभिन्न भागों से व्यापारी उनके यहां अक्सर आया करते थे. उन्हें कला की दुर्लभ वस्तुएं लुभाती थीं. कई वर्षों तक कलाकृतियों और पुरातनकालीन वस्तुओं को संकलित करते रहे, जिन्हें वे अपने महलों के कई कक्षों में रखते थे. कलाकृतियों के प्रति उनका प्रेम उन्हें यूरोप और मध्य पूर्व की ओर ले गया. विदेशों में उनके एजेंट उन्हें विख्यात कलाकृति व्यापारियों से सूची पत्र भेजा करते थे. वे अपने महल में बैठकर उन सूची पत्रों को ध्यान से पढ़ते थे और कभी-कभी केबल द्वारा खरीददारी करते थे. उनका अंतिम परेषित माल हाथीदंत कुर्सियों का संच है, जिनके बारे में कहा जाता है कि मैसूर के टिपू सुल्तान का है. यह खेद का विषय है कि, वे इन कुर्सियों को नहीं देख पाए, क्योंकि यह परेषण उनके मृत्यु के बाद प्राप्त हुआ. कलाकृतियों, पांडुलिपियों और पुस्तकों के संकलन के अलावा वे कवियों, लेखकों और कलाकारों को आश्रय देते थे. साथ ही साथ वे साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करते थे. वे अपने परिवार के सदस्यों पर लिखी गई कई पुस्तकों के प्रकाशन में सहायक बने हैं, जैसे शेर जंगज मीर आलाम/'रियाज्- ए – मख्तरिया', और 'मुरक्का – ए - दिल्ली, जो सभी उनको समर्पित हैं. उनकी अपनी आत्मकथा 'यूसुफ-ए-दक्कन' उनके जीवन काल में प्रकाशित हुई. इस प्रकार यह स्पष्ट है कि, अंतिम सालार जंग द्वारा संचित वस्तुओं में उसके उत्तराधिकारी सही संग्रहकर्ता के प्रेम और उत्साह में निरंतर बढ़ोतरी करते गए. यह चालीस वर्ष तक अर्थात 2 मार्च, 1949 को उनके देहांत तक जारी रहा. उस समय के सैन्य गवर्नर ने इस महान व्यक्ति के सम्मान में, जो एक महत्वपूर्ण कुलीन पुरुष थे और पुरातन व्यवस्था के भूतपूर्व प्रधानमंत्री थे, एक दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया. हैदराबाद आर्ट्स सोसायटी ने एक शोक सभा का आयोजन किया और संवेदना व्यक्त की. सोसायटी ने यह भी संकल्प लिया कि उनके नाम से एक संग्रहालय खोला जाए. स्वर्गीय नवाब साहिब के मित्र प्रो. हुसैन अली खान और नवाब मेहदी नवाज़ जंग बहादुर ने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना भरपूर योगदान दिया.

संग्रहालय की वर्तमान स्थिति

स्थान:

वर्तमान संग्रहालय भवन का निर्माण मूसी नदी के दक्षिणी सीमा छोर पर किया गया है, जो ऐतिहासिक चारमीनार, मक्का मस्ज़िद आदि जैसे पुराने शहर के महत्वपूर्ण स्मारकों के समीप है. पुस्तकालय और संग्रहालय की वस्तुओं को 1968 में दिवान देवड़ी से नये भवन में अंतरित किया गया. वर्तमान संग्रहालय भवन सुगम स्थल पर होने से आसानी से पहुंचा जा सकता है. यहां सभी क्षेत्रों के पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है. विशाल संग्रह को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान भवन के दोनों ओर दो और भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया. ये दोनों भवन मीर तुरब अली खान भवन (पश्चिमी ब्लॉक) और मीर लैक अली खान भवन (पूर्वी ब्लॉक) 2000 ई. में बनकर तैयार हुए.

विस्तार:

संग्रहालय द्वारा पश्चिमी और पूर्वी ब्लॉकों पर अतिरिक्त मंज़िलों के निर्माण का कार्य किया गया जो पूर्ण हो चुका है, जिसके द्वारा 20,000 वर्ग फीट अतिरिक्त क्षेत्र उपलब्ध हुआ है, जिसमें कुछ और दीर्घाए तैयार करने की योजना बनाई जा रही.

इस्लामिक कला दीर्घा: सालार जंग के संकलन से इस्लामिक कला / कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए इस्लामिक कला दीर्घा खोलने की योजना बनाई गई है. सिविल कार्य और फैब्रीकेशन कार्य पूर्ण हो चुके हैं और आंतरिक सज्जा कार्य प्रगति पर है.

संग्रहालय संकलन: संग्रहालय में, भारतीय मूल के ही नहीं, बल्कि पाश्चात्य, मध्यपूर्व और सुदूर पूर्व मूल की कलात्मक और पुरातत्व वस्तुओं के विश्व के शानदार संग्रह हैं. इसके अलावा, बच्चों का अनुभाग, एक समृद्ध संदर्भ पुस्तकालय, वाचनालय और दुर्लभ पांडुलिपि अनुभाग है. अतः यह संग्रहालय न केवल एक शैक्षिक स्थल बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों के व्यक्तियों के लिए एक आनंददायी स्थान बनता है..

दीर्घाएं :

संग्रहालय में तीन मुख्य ब्लॉकों (खंडों) में 39 दीर्घाएं हैं. भारतीय संग्रह विभिन्न राज्यों जैसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, जम्मू और कश्मीर तथा कांगड़ा, बशोली, जयपुर, उदयपुर, मेवाड़, हैदराबाद, गोलकोंडा, बिजापुर, कर्नूल तथा निर्मल से हैं.

पश्चिमी संग्रहों में शामिल हैं- इंग्लैंड, आयरलैंड, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, जेकॉस्लोवेकिया, और ऑस्ट्रिया.

पूर्वी देशों से वस्तुएं चीन, जापान, बर्मा, कोरिया, नेपाल, थाइलैंड, इंडोनेशिया से और मध्य पूर्व देश जैसे मिश्र (ईजिप्ट), सीरिया, फारस (पर्शिया),और अरेबिया से संग्रहित की गई हैं. भारतीय कलाकृतियों में पत्थर की मूर्तियां, कांस्य मूर्तियां, लकड़ी पर नक्काशी, लघु चित्रकारी, आधुनिक चित्रकारी, हाथीदंत, संगमरमर, वस्त्र, धातु शिल्प, पांडुलिपियां, बिदरी, अस्त्र-शस्त्र और कवच - बक्तर, उपयोगी शिल्पी बर्तन आदि शामिल हैं.

दीर्घाओं की सूची

1. **संस्थापक दीर्घा :** इस दीर्घा में सालार जंग परिवार से संबंधित चित्र और अन्य व्यक्तिगत वस्तुएं प्रदर्शित की गई है. इस दीर्घा में मीर आलम, मुनीर-उल-मुल्क-II, मोहम्मद अली खान,सालार जंग-I, सालार जंग-II और सालार जंग-III के कई अच्छे तैलचित्र प्रदर्शित किए गए हैं, जो उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं, जो दीर्घा में अतिरिक्त आकर्षण प्रदान करते हैं.

2. **दक्षिण भारतीय कांस्यवर्ण और मुद्रित वस्त्र दीर्घा**: संग्रहालय का कांस्यवर्ण संकलन पल्लव, विजयनगर, चोल काल के हैं. आधुनिक वैज्ञानिक आधार पर इस दीर्घा का पुर्नगठन कार्य पूरा हुआ है.

3. **भारतीय मूर्तिकला दीर्घा**:

यद्यपि संग्रहालय में पत्थर की मूर्तियों का संकलन कम है, फिर भी उनका बहुत महत्व है क्योंकि वे भारत में प्रचलित विभिन्न मुद्राओं की विशिष्ट आकृतियों को दर्शाती हैं. ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी की बुद्ध की खड़ी हुई प्रतिमा, सर्प शय्या पर लेटे

हुए शेषसाई विष्णु की प्रतिमा सर्वोत्कृष्ट है. अन्य मूर्तियों में जैन मूर्तियां, गंधर्व शैली की बुद्ध की मूर्तियां और धर्म

निरपेक्ष मूर्तियां हैं. आधुनिक वैज्ञानिक आधार पर इस दीर्घा का पुर्नगठन कार्य पूरा हुआ है.

4. **दक्षिण भारत की लघु कलाएं:**

भारतीय कला के इतिहास में लकड़ी पर नक्काशी का महत्वपूर्ण स्थान है.इस दीर्घा में पर्यटक लकड़ी की नक्काशी, निर्मल चित्रकारी, धातुशिल्प और हाथीदंत नक्काशी की झलक देख सकते हैं. दीर्घा का एक बड़ा भाग दक्षिण भारतीय लकड़ी की नक्काशियों से भरा है. आधुनिक वैज्ञानिक आधार पर इस दीर्घा का पुर्नगठन कार्य पूरा हुआ है.

5. **भारतीय वस्त्र और मुगल कालीन शीशा:**

संग्रहालय का वस्त्र संग्रह बहुत महत्वपूर्ण है विशालता और विविधता दर्शाता है. संग्रहालय में टाइ एवं डाइ या बांधनी वस्त्र और कुछ पटोला साड़ियों के नायाब नमूने हैं. संग्रहालय में संग्रहित कलमकारी वस्त्र, भारत की समृद्धता में से एक हैं, जो कलमकारी पेंटिंग की शैली और तकनीकी के लिए उन्नत और आंध्र प्रदेश के मुद्रण को उजागर करते हैं.

6. **हाथीदंत कलाकृतियां:**

सालार जंग संग्रहालय में विश्व के विभिन्न भागों से हाथीदंत कृतियों का अच्छा संग्रहण है. हाथीदंत संग्रहण प्लास्टिक कला के माध्यम के रूप में हाथीदंत का उत्कृष्ट नमूना है. संग्रहण में हाथीदंत के मोहरें, चौसर सेट आदि एक रोचक समूह हैं.

7. **दुपट्टा रेबेक्का दीर्घा:**

इस संगमरमर की मूर्ति को जी.बी.बेन्ज़ेनी द्वारा दुपट्टे में तराशा गया है. इस महान कृति को 1876 ई. में सालार जंग – । द्वारा खरीदा गया था. विश्व प्रसिद्ध शिल्पकार जी.बी.बेन्ज़ेनी ने युवा रेबेक्का को झुकावदार दुलहन के रूप में पारदर्शि दुपट्टे में तराशा है.

8. **पैदल छड़ी दीर्घा:**

इस दीर्घा में सालार जंग द्वारा प्रयुक्त केन, हाथीदंत, हड्डियों आदि से बनी विभिन्न प्रकार की पदचालन छड़ियां प्रदर्शित की गई हैं.

9. **अस्त्र-शस्त्र और कवच:**

संग्रहालय में अस्त्र-शस्त्र और कवच के संग्रहण में तलवारें, छुरा-कटार, युद्ध परशु, बरछे-भाले, अंकुश, गदा, धनुष - बाण और बारूद आदि शामिल हैं. रक्षात्मक हथियारों में विभिन्न स्थानों और लोगों के तलवार, ढाल, वक्ष प्लेट, हेलमेट और बखतर सूट आदि शामिल है. संग्रहण में मुगल शासक औरंगजेब, टिपू सुल्तान, मोहम्मद शाह और बहादुर शाह जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तियों के हथियार रखे गए है.

10. **धातु बर्तन दीर्घा:**

रजत, कांस्य और अन्य धातु के सीरियाई, फारसी, बरमनी, जापानी, भारतीय, रूसी तथा चांदी के अंग्रेज़ी वस्तुएं इस दीर्घा में शोभायमान है.

11. **आधुनिक भारतीय चित्रकला:**

संग्रहालय के संग्रहण में विख्यात कलाकारों की कृतियां सजाई गई है. राजा रवि वर्मा पाश्चात्य परंपरा में प्रशिक्षित हुए थे और भारतीय विषयों को समाविष्ट करते हुए भारतीय पौराणिक और शास्त्रिय विषयों पर अत्यधिक मात्रा में तैलचित्र बनाए. उनके बनाए हुए दो चित्र अर्थात् " केरल की खूबसूरती " और " स्टोलन इंटरव्यू " दीर्घा की शान बने हुए हैं. बंगाली समुदाय के प्रतिनिधियों में रबिद्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस, चुघताई, बिहारी मुखर्जी और वी.एस मारोजी प्रमुख संग्रह हैं. अबेंद्रनाथ की दो कृतियां "क्या आपने उनकी शांत कदमों की आहट सुनी है" और "संगीतकार" को इस संग्रहालय में जगह मिली हुई है. नंद लाल बोस, भारतीय चित्रकला के आधुनिक नवचेतकों में से एक हैं, बंगाल की उत्कृष्ट पेंटिंग की शोभा बढ़ाते हैं. उनकी दो महत्वपूर्ण कृतियां क्रमशः "वसंत" और "आग के चारो ओर ग्रामीण" प्रतिनिधित्व करती हैं. विख्यात चित्रकार जिन्होंने नए प्रयोग

किए हैं जैसे एम. एफ. हुसैन, के. के. हेब्बार, एन. एस. बेंदु, पणिक्कर, के. एस. कुलकर्णी, पी.टी.रेड्डी, पैदि राजु और दिनकर कौशिक की चित्रकलाएं भी शोभामान हैं.

12. **भारतीय लघु चित्रकला:**

मुगल कालीन लघु चित्रकारी के कुछ मोहक उदाहरण इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं. लघु चित्रकारी के क्षेत्र में राजस्थान के रोमानी भूमि का बहुत बड़ा योगदान है. 18वीं सदी के मध्य की चित्रकारी के उत्कृष्ट समूह जैसे न्यायालय के दृश्य, राजा का जुलूस आदि पहाड़ी, बशोली कांगड़ा क्षेत्र से हैं. बहुतायत चित्रकारी दक्कन कलाम की विरासत ओर नज़ाकत को दर्शाते हैं. संग्रहालय में जैन कल्पसूत्रों में पूर्वार्द्ध के रोचक पत्ते हैं, जिसपर 14 वीं और 15 वीं शताब्दी की पाश्चात्य भारतीय शैली की चित्रकला है.

13. **खिलौने और गुडिया:**

संग्रहालय के इस दीर्घा में खिलौने और गुडियों का बृहत संकलन मौजूद है. भारत में सिंधु घाटी सभ्यता के समय से ही खिलौने और गुडियों का संकलन किया जाता रहा है. विभिन्न स्थानों के खिलौनों का अपना अलग महत्व होता है. पुराने ज़माने के हमारे शिल्पकार जंगली जानवरों, पक्षियों और देवी-देवताओं के मिट्टी के नमूने बनाकर बच्चों को पेश किए जाते थे. कोंडपल्ली, विजयवाडा के खिलौने सारे देश में और विदेशों में एक महान प्रतिष्ठा की स्थापना की है. खिलौने अमुमन पक्षियों, धार्मिक और नित्य कार्मिकों से प्रभावित होते है इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए खिलौने बहुत ही नाजुक, दुर्लभ और अभिव्यक्तिपूर्ण चेहरों एवं वास्तविकता के अनुरूप हैं.

14. **फ्लोरा और फौना दीर्घा:**

इस दीर्घा में चीन, जापान और अन्य युरोपीय देशों से लाए गए धातु, संगमरमर एवं चीनी मिट्टी से बने पशु और परिंदे प्रदर्शित किए गए हैं.

15. **बाल खंड:**

इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए कलाकृतियों द्वारा यहाँ आने वाले बच्चों को शैक्षणिक न प्रदान किया जाता है.इस दीर्घा में विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के पीतल की आकृतियां, चीनी मिट्टी की कलाकृतियाँ, संगीत की पेटियाँ, संगमरमर की मूर्तियों और खिलौनों की भरमार है. जपान के गीभा खिलौने, लियोनल कॉर्पोरेशन ऑफ अमेरिका 1930 द्वारा निर्मित इंगलैंड की कार्यात्मक चलती गाड़ी का सेट और

सफेद बर्फ के सात बौने प्रतिमाओं का सेट आदि इस खंड की प्रतिष्ठा को बढाते है.

16. **अरबी और फारसी पांडुलिपियां:**

अरबी और फारसी पांडुलिपियां संग्रहालय के महत्वपूर्ण संकलन है. सबसे प्राचीन प्रदर्शित पांडुलिपि पवित्र कुरान है, जिसे कुफिक लिपि में चर्मपत्र पर लिखा गया है और जो 9 वीं शताब्दी इसवी सन् का है. इसके अलावा यहां कई पवित्र कुरान है, जो प्रदीप्त और अलंकृत कर रखे गए है जो दीर्घा की शोभा बने हुए हैं. अन्य प्रदर्शित स्मरणीय पांडुलिपियों में फारसी के सुलतान हुसैन द्वारा लिखित उमर खय्याम की चौपाइयां और शाहजहां की चहेती बेटी राजकुमारी जहांआरा बेगम द्वारा लिखित आत्मकथा, प्रदीप्त पवित्र कुरान, मोहम्मद-बी-अब्दुल रहमान समरकंदी (1424 ई. सं.) द्वारा लिखित फिरदौसी का शाहनामा आदि हैं.

17. **फ्रांस अफ्रिका दीर्घा:**

इस दीर्घा में 24 कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं. अफ्रिकी की मुंह में धुमपान नली लिए समाचार पत्र पढे जाने की कलाकृति इस दीर्घा को शिभामय बनाता है,

18. **भारतीय रजत दीर्घा:**

इस दीर्घा में भारतीय मीनाकारी और प्रतिमाओं की कलाकृतियां और करीमनगर (तेलंगाना) तथा कटक (उडिसा) के फिलइग्री कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं.

19. **कालीन:**

संग्रहालय के मध्य पूर्वी कला संकलन में फारसी कालीन, एक महत्वपूर्ण स्थान ग्रहण किया है. इस दीर्घा में तटिल बुनाई और विभिन्न आभूषणों के पैटर्न सहित सजावट के खूबसूरत नमूने, विशेषतः फारसी के सभी महत्वपूर्ण करघा, अर्थात् काषना, बोखारा, तब्रीज, किरमान, शिराज आदि प्रतिनिधित्व करते है.

20. इजिप्तियन और साईरियन कला:

प्रदर्शित किए गए इजिप्त की कलाकृतियों का बड़ा भाग प्राचीन इजिप्तियन राजाओं के महत्वपूर्ण मकबरों से लिए गए मूल की केवल नकल है, इन कलाकृतियों में सज्जा सामग्री, गोटा-पट्टा कार्य और हाथीदंत नक्काशी शामिल हैं. "तूतनखामेन" सिंहासन की शानदार प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र हैं, जो 1340 ई. पू. का है, इसका मूल रूप मिस्र के कैरो संग्रहालय में है. यद्यपि इसकी नकल 20वीं सदी में बनाई गई, इस सिंहासन को देखने से मूल सिंहासन के उत्कृष्ट कारीगरी को आसानी से जान सकते हैं. सायरिया के कलाकृतियों में सहज मोतियों की जड़ित राजसी कारीगरी के साथ एक बड़ी संख्या में सज्जा सामग्री की वस्तुएं हैं. उनमें से अधिकतम उत्कीर्ण किए हुए है.

21. संगेमरमर दीर्घा:

संगेमरमर अर्धकीमती पत्थर है, जो प्रायः पूर्ण सफेद से विभिन्न रंगों, हीरा पन्ना से स्याह काली हरे रंगों में मिलता है. इन संग्रहों में शराब की प्याली (सादा और कीमती पत्थरों से जड़ा हुआ) प्लेट, कप, बुक स्टैंड, बेल्ट बकल, शस्त्र म्यान, फ्लाई विस्क हैंडल और हेयर पिन्स आदि हैं. संगेमरमर का अंकित पुस्तक स्टैंड "शमशुद्दिन इल्तमिश", "साहिब-ए-कुरान-ए-सानी" अंकित धनुर्धर रिंग मुगल शासक शाहजहां का शीर्षक, उत्कृष्ट कलाकृतियां हैं. संगेमरमर से बनी हुई फलों की चाकू और छुरा जिसमें बहुमूल्य पत्थर जड़े हैं, क्रमशः जहांगीर और नूरजहां से संबंधित माने जाते है.

22. बिद्री दीर्घा:

बिद्री शब्द बीदर शहर के नाम से लिया गया है, जो हैदराबाद से 120 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम में स्थित है. बिद्री कला बीदर से संबंधित नहीं है, परन्तु यह कला हैदराबाद, लखनऊ, पुणे और कश्मीर के कुछ हिस्सों में की जाती है. सामान्यतः यह डिज़ाइन चांदी के पत्रों से बनाया

जाता है. काली पृष्ठभूमि पर चमकते चांदी का अभिकल्प इसको उत्कृष्टता प्रदान करता है. इस संग्रहालय में पुराने बिद्री शिल्प कला के नमूने जैसे, हुक्का बेस, पानदान, ट्रे, सुराहियां, अफ्तबास, गुलदस्ता, आदि प्रदर्शित हैं. आधुनिक वैज्ञानिक आधार पर इस दीर्घा का पुर्नगठन कार्य पूरा हुआ है.

पारंपरिक हुक्का, पानदान, पशुओं की अनोखी कलाकृतियां, आदिवासी कला के सेट इस दीर्घा में शोभामान है.

23. कश्मीर दीर्घा:

कश्मीर कक्ष में पेपर मशीन, हाथीदंत, लकडी, सिल्क और प्रलाक्षा से बनाए गए कुशल करीगरी के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं.

24. सिक्का दीर्घा:

संग्रहालय में विभिन्न अवधियों के सिक्कों का बृहत संग्रह है, जिसमें मगध शाही, मौर्य, शातवाहना, विष्णुकुंडी, पश्चिमी और पूर्वी चालुक्याओं के सिक्के इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं.

इस्लामी सिक्के, दिल्ली के सुलतान जैसे खिलजी, तुगलक उनके बाद ब्राहुमनी शासन, निज़ाम शाही, बारिद शाही, मुगलों कुतुब शाही, आसिफजाही सिक्के भी इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं.

25. उपयोगी शिल्पी वस्तु दीर्घा:

यहां प्रदर्शित शिल्प कलाकृतियों में उपयोगी शिल्पी वस्तुएं तथा मुरादाबाद और दक्क़नी

26. यूरोपीय फर्नीचर:

यूरोपीय कलाकृतियों के संकलन का एक और अदभुत हिस्सा है यूरोपीय सज्जा सामग्री. सज्जा सामग्री में कैबिनेट, कनसोल, कुर्सियां, सोफा सेट, कमोड, रमणीय चिलमन, मेज आदि विविध सामग्री हैं, जो लोइस XIV (1643-1715), लुइस XV (1715-44), लुइस XVI (1774-92) और नेपोलियन-I की अवधि से संबंधित है और जो दीर्घा की शोभा बढ़ाते हैं.

27. चीनी संकलन:

इस संग्रहालय के चीनी संग्रहण 12 वीं से 19 वीं शताब्दी के है. प्राचीन चीनी मिट्टी के बर्तन जो बाहरी दुनिया में पहुंचने पर निस्संदेह "सेलाडन" (काही) होते हैं, जो विशिष्ट धुंधली हरी चमकीली

सामग्री है. इस सामग्री में कुछ रहस्यपूर्ण स्वभाव के गुण हैं. इस माध्यम में प्रदर्शित किए गए सामग्रियों में रोगन और जड़ाऊ चिलमन, रोगन बक्से, तराशे हुए बोतल, गुलदान और सज्जा सामग्री शामिल हैं. संग्रहालय में हाथी दांत पर हाथ से की गयी कारीगरी और कुशल नक्काशी देखते ही बनती है. हाथी दंत के संग्रहण में नक्काशी के अदभूत संग्रह 18 वीं से 19 वीं शताब्दी के हैं.

28. सुदूर पूर्वी चीनी मिट्टी के बर्तन दीर्घा:

इस दीर्घा में 12 वीं से 19 वीं शताब्दी के चीन में बने चीनी मिट्टी के बर्तन, 17 वीं से 19 वीं शताब्दी के जापान में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित किए गए है.

29. जापानी कला:

यद्यपि जापानी कला इतिहास और संस्कृति के क्षेत्र में चीन के नैसर्गिक उपसिद्धांतवादी के रूप में उभरा है, उसने संस्कृति और कला के क्षेत्र में स्वतः अपनी पहचान बनाई है. संग्रहालय के संकलन में

प्राचीन वस्तुओं में सफेद और नीले चीनी मिट्टी के बर्तन हैं, जो 17 वीं सदी के है. संग्रहालय में प्रख्यात " सतसूमा सामग्री " है, जिसमें विभिन्न आकारों के गुलदान, बोऊल और प्लेट तथा चाय के सेट्स का प्रचुर संकलन है. संग्रहालय में समुराय तलवार है, जिस पर हांथी दांत के मूठ लगे हुए हैं, जो कटना (बड़ा तलवार) और वाकिजास (छोटी तलवार) दोनों का प्रतिनिधित्व करता है और इनमें एक बड़े तलवार के म्यान में फिट की हुई कोडज़ाका (मिसाईल के रूप में प्रयुक्त की जाने वाली छोटी छूरी) भी है.

30. सुदूरपूर्वी मूर्ति कला:

इस दीर्घा में नेपाल और तिब्बत जैसे देशों से शिल्पकारी कलाओं से रोचक चित्रों को प्रदर्शित किया है, इन देशों को विश्व के श्रेष्ठ देशों के रूप में माना जाता है. यहां पर मूर्तिकला विशिष्ट तीन माध्यमों से जैसे - कांस्य, धातु और लकड़ी के होने पर है. इस दीर्घा में अधिकतम कलात्मक वस्तुएं

बौद्ध शिल्पकारी से संबंधित है, जो बौद्ध मत का प्रभाव भारत जैसे भूखंड से फैलकर भारतीय उपमहाद्वीप जैसे चीन और जापान भू-भागों में भी फैला हुआ है. बौद्ध मूर्तिकला के अलावा इस दीर्घा में जापान के समुराई सैनिकों के मूर्तियां भी अत्यंत रोचक रूप से प्रदर्शित हैं.

31 और 32. सुदूर पूर्वी लकड़ी के नक्काशिदार फर्नीचर:

17 वीं से 20 वीं शताब्दी के चीन, जापान और बर्मा में बने लकड़ी की नक्काशी का बृहत संकलन यहां प्रदर्शित है.

33. यूरोपीय पेंटिंग:

यूरोपियन संकलन में तेल और जल चित्रकारी का महत्वपूर्ण स्थान है. वे जनता की रुचि और उस काल के कलात्मक अभिव्यक्ति को भी दर्शाता है. संग्रहालय में प्रदर्शित चित्रों में केनालेट्टो, हयेज, ब्लास, मार्क, अलडाइन, डिजियानी, माटिन और कुछ कम विख्यात चित्रकारों के कार्य शामिल हैं. सालार जंग संग्रहालय में प्रदर्शित केनालेट्टो का तैल चित्र पियाज़्ज़ा सब मारको एक मनमोहक कृति है, जिसमें सुंदर संरचना, मोहक रूप, रमणीय प्राकृतिक दृश्य और उत्कृष्ट परिदृश्य सम्मिलित है. हयेज़ की सुंदर कृति साबुन के बुलबुले, जिसमें एक लड़का बुलबुले छोड़ रहा है जो हवा में तैर रहे है, पर्यटकों के आकर्षण का केद्र है.

34. यूरोपीय शीशा:

संग्रहालय में वेनीस, फ्रांस, इंग्लैंड, अमेरिका, बोहेमिया, बेलजियम, तुर्किश और चेकोस्लोवाकिया से लाए गए शीशे के कई उत्कृष्ट नमूने देखने मिलते हैं. वेनीस में बनी हुई शीशे की कलाकृतियां संकलन में विशिष्ट स्थान रखते हैं. बोहेमियन शीशे की निथरनी और कटोरों पर बरोक शैली में एकांथस, फूल, बेलबूटियों की नक्काशी कटाई और एनामेल किया गया है.

35. फ्रेंच दीर्घा:

इसमें बारूके, रोकोक्को, फ्रांस और ओरमोलु के नियो शास्त्राय शैली में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित है.

36. यूरोपीय घड़ियां:

सालार जंग संग्रहालय में फ्रांस, इंग्लैंड, स्विजरलड, जर्मनी, हॉलैंड आदि विभिन्न यूरोपीय देशों की घड़ियों का प्रचुर मात्रा में संकलन है. इनमें

चिड़िया का पिंजरा घड़ी, ब्रैकेट घडी, दादा घड़ी, कंकाल घड़ी आदि शामिल है. संग्रहालय में लुइस XV, लुइस XVI और फ्रांस के नेपोलियन-I काल की घड़ियां इसके कुछ उदाहरण भी है. यहाँ की सबसे महत्वपूर्ण घडी जो अत्यधिक संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करती है, वह है ब्रिटिश ब्रैकेट घड़ी. इसमें एक यांत्रिक उपकरण है जिसके जरिए एक छोटा खिलौना हर घंटे पर पिंजरे से बाहर निकल कर घंटी बजाता है और वापस पिंजरे के अंदर चला जाता है.

37. यूरोपीय चीनी मिट्टी के बर्तन:

संग्रहालय में ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के बर्तनों का बहुत बड़ा संकलन है, जो सेवरेस संचयन के बाद आता है. ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के संकलन का उत्कृष्ट नमूना है बकरे पर सवार एक दर्जी और उनकी पत्नी का चित्र. अंग्रेजी चीनी मिट्टी की कलाकृतियां विभिन्न प्रकार की है, जो ज्यादातर 19वीं सदी में बनाई गई हैं. उत्कृष्ट नमूनों में से प्याली, तश्तरी, प्लेट, कलश, गर्म पानी प्लेट, लघु मूर्तियां आदि शामिल हैं. इस संग्रहण में वर्सटर, चेलसिया, डर्बी, कोलपोर्ट, स्पेड, मैनचिस्टर, मिनटन, वेजवूड आदि फैक्टरियों के नमूने भी शामिल हैं.

38. यूरोपीय कांस्य:

संग्रहालय में रखे गए यूरोपीय कांस्य की कलाकृतियों में कुछ प्रसिद्ध शिल्पकारों की मूल कृतियों के साथ-साथ नकल भी संग्रहित है, जो काफी विख्यात हैं. यह माध्यम पश्चिम में लोकप्रिय

है. ग्रीक कलाकृतियों में "लाऊकून और उसके बेटे" नामक कृति की नकल विलक्षणता का प्रतीक है. यह कला ग्रीक शिल्पकारों को युगों से प्रभावित करती आई है तथा सबसे पुरानी कलाकृति 50 ई.पू. की है. इसके अलावा, यहां और कई प्रतिमाएं है, जैसे - स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी, अलेक्जेंडर आन हार्स बैक, ऑगस्टस, सीज़र नाईट वॉचमैन आदि जो इन व्यक्तियों से जुड़ी कई ऐतिहासिक घटनाओं की याद दिलाते हैं. आधुनिक वैज्ञानिक आधार पर इस दीर्घा का पुर्नगठन कार्य पूरा हुआ है.

39. यूरोपीय संगमरमर दीर्घा:

संग्रहालय में संगमरमर की मूर्तियों का बहुत बडा संकलन है यद्यपि उनमें विख्यात शिल्पकारों द्वारा बनाई गई ग्रीक पौराणिक शिल्पों के नकल है, जो बगीचे में रखने वाली मीर्तियां है. इस कृति में विश्व विख्यात शिल्पकार जी.बी. बेन्ज़ोनी ने अपनी अतूक छेनी से वधु की रूप में रेबेक्का की लज्जा और यौवन को झलकाया है. इसके अतिरिक्त

प्रो.बोरियोने द्वारा बनाया गया क्लियोपात्रा, फ्रांस के शिल्पकार का 'बेब' जिसमें एक बच्चे की मासूमियता झलकती है और क्यूपिड की पत्नी 'साइके' जो सुंदरता का प्रतीक हैं, की प्रतिमा कुछ उत्कृष्ट उदाहरण हैं. प्रसिद्ध फ्रेंच मूर्तिकार, कैनोरा (1757-1822) की दो मूर्तिकलाएं वीनस के रूप में राजकुमारी पौलिन कास्ट और दूसरी वीनस की मूर्ति भी उत्कृष्ट संगमरमर हैं. इटली, फ्रांस और इंगलैंड से मंगवायी गयी कई संगमरमर मूर्तियां संग्रहालय में उपलब्ध हैं. आधुनिक वैज्ञानिक आधार पर इस दीर्घा का पुर्नगठन कार्य पूरा हुआ है.

भंडार

सभी कलाकृतियों को सामग्री वार अलग-अलग किए गए हैं, जैसे: वस्त्र, लकडी के फर्नीचर, लघु चित्रकारी, शीशा, चीनी मिट्टी के बर्तन तथा पेंटिंग आदि और इन्हें नए भंडार कक्षों में शिफ्ट किए गए हैं, इन कक्षों को कमपैक्टर्स और अलमारियों सहित आधुनिक वैज्ञानिक तरीके से नवनिर्मित एवं उन्नत किए गए हैं, जिसमें इन वस्तुओं को प्रत्यक्ष रूप से तथा प्रदूषण से बचाया जा सकता है. अभी तक 15 भंडार कक्षों में से 12 कक्षों में कम्पैक्टर्स लगाए गए हैं.

पांडुलिपियां और पुस्तकालय:

सालार जंग संग्रहालय के पुस्तकालय में सालार जंग परिवार द्वारा एकत्रित पुस्तक और पांडुलिपियां शामिल है, इस संकलन का उद्‍गम ईसवी सन् 1656 में हुआ. नवाब मीर तुराब अली खान, सालार जंग-I द्वारा इस पुस्तकालय को सुव्यवस्थित संग्रह का रूप दिया गया, जिसे बाद में उनके पुत्र नवाब मीर लाइक अली खान, सालार जंग-II द्वारा और अंत में उनके पौत्र नवाब मीर यूसुफ अली खान, सालार जंग-III ने विकसित किया और इसमें वृद्धि की. पुस्तकालय और पांडुलिपि अनुभाग दूसरी मंज़िल पर स्थित है. इस समृद्ध पुस्तकालय में अंग्रेज़ी, हिंदी, उर्दु, तेलुगु, फारसी, अरबी और तुर्की भाषा की पुस्तकें हैं. अंग्रेज़ी में मुद्रित पुस्तकों में अनुसंधान पत्रिकाएं, दुर्लभ फोटो का अलबम और मूल्यवान उत्कीर्णन शामिल हैं. इस बृहद् संग्रह की प्रमुख बात यह है कि इसमें ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकें हैं जैसे कला, वास्तुकला, पुरातत्व, भौतिक और जीव - जंतु शास्त्र, सामाजिक शास्त्र, साहित्य, इतिहास तथा यात्रा. इस्लाम, हिंदुत्व, इसाई और अन्य धर्मो से संबंधित धार्मिक पुस्तकें भी इसमें शामिल है. इस संग्रह की प्राचीनतम पुस्तक ईसवीं सन् 1631 में मुद्रित एक अंग्रेज़ी पुस्तक है. इस पुस्तकालय में कला, शिल्पकला, चित्रकला, सिरैमिक कला, अलंकरण कला, संगीत शास्त्र, संग्रहालय पर्यटन इत्यादि विषयों से संबंधित नयी पुस्तकें निरंतर जोड़ी जाती हैं. संग्रहालय के कर्मचारियों के अलावा अनुसंधान विद्वान (भारत और विदेशों से) नियमित रूप से पुस्तकालय को आते रहते हैं. औसतन प्रतिदिन दस व्यक्ति अपने ज्ञान बढ़ाने तथा समृद्ध करने हेतु पुस्तकालय का उपयोग करते हैं. संग्रहालय में उपलब्ध उत्कृष्ट पांडुलिपियों के संग्रह में अरबी, फारसी, उर्दू और अन्य भाषाओं के हैं. इस संग्रह में सुलेखन पट्ट भी हैं. इन सचित्रों में विभिन्न ईरानी और भारतीय पंथ की पुस्तकें हैं जैसे बुखारा, इस्फहान, शिराज, तब्रेज, कचार, हार्ट, लाहौर,

कश्मीर, पंजाब, दिल्ली, जयपुर, मारवाड़, गुजरात, कंपनी स्कूल और दक्खनी उप पंथ जैसे गोलकोंडा, बिजापुर, बीदर और हैदराबाद. पांडुलिपियों में इतिहास, जीवनी, गणित, संगीत, खगोल-विज्ञान, चिकित्सा, दर्शन, भौतिक, रसायन, पशुपालन, शिकार, सैन्य, विज्ञान, विधि, साहित्य, पवित्र कुरान और अन्य संबंधित विषयों के विभिन्न पुस्तकें हैं.

अरबी पांडुलिपियां:

इस पुस्तकालय में अरबी पांडुलिपियां हैं. इसकी बड़ी विशेषता है कि बीजगणित (847 ई.) पर शरहूँ मुख्तसर अल मुख्तसर नामक गणित पर दुर्लभ कृतियां हैं. खगोल शास्त्र में पहला कार्य है - ग्लोब को बनाना तथा उसका प्रयोग करना (16वीं सदी), चिकित्सा के क्षेत्र में अविसेना (आईबीएन सिना) का किताबुल कैनून और प्राकृतिक इतिहास में हयातुल हैवान का उल्लेखनीय कार्य यहां उपलब्ध है. दर्शन के क्षेत्र में, रसैल इख्वानस साफा (16वीं सदी) का इन्सोक्लोपीडिया कार्य भी पुस्तकालय में उपलब्ध है. तर्क शास्त्र पर अल तजरिड फिल मंटिक, नसीरूद्दीन तुसी (1628 ई.सन) का प्रसिद्ध कार्य है तथा बादशाह जहाँगीर की इम्पीरियल पुस्तकालय से अला शारहिल मताली की पांडुलिपि की प्रति भी उपलब्ध हैं. यहां के संग्रहण में शिया और सुन्नी, यहूदी और सूफियों द्वारा आदियाह (प्रार्थना) में प्रयोग होने वाले इस्लाम के विचार की पांडुलिपि भी उपलब्ध है. सूफी सिद्धांत (दिली-1675 ई.) के प्रवर्तकों के परिचय पर तार्रुफ लि मधबिट तसव्वुफ़ एक दुर्लभ कृति है. अबु नसर का शब्दकोश साबब (1218 ई.) का प्राचीनतम संग्रह है. जै उल क्वायद का पर्यायवाची शब्दकोश (1576 ई.) का प्राचीनतम संग्रह है और निज़ाम-II की अवधि के दौरान शब्द साधन विषय पर लिखा गया अस शाफिया पर वाक्य विचार, पुस्तकालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं.

फारसी पांडुलिपियां:

फारसी भाषा के पांडुलिपियों का बृहत संकलन उपलब्ध हैं. सबसे अधिक उल्लेखनीय रौदातुल मुहिब्बिन है, जिसमें बुखारा परम्परा के बीस उद्धरण दिए गए हैं और प्रख्यात सुलेखक मीर अली हरवी ने लिप्यांतरण किया है. सुन्नी कामेंटरी सबसे पुरानी पांडुलिपि अल बसैर फिल वुजुह वन नज़ीर है, जो अरबी नक्ष में 1207 ई. में लिखा गया है. तसव्वुफ पर, बहुमूल्य और उपयोगी ग्रंथ का लिप्यंतरण 1588 ई. में बयाज़िद बुस्तामी ने किया. कला, विज्ञान, भविष्यवाणी, ज्योतिषी, जादू और धनुर्विद्या विषयों पर भी पांडुलिपियां उपलब्ध हैं. कृषि पर पुरानी पांडुलिपि और बहुमूल्य एवं अर्ध बहुमूल्य पत्थरों पर कई पांडुलिपियां हैं.

सुलेखन कला पर संग्रहालय में अनेकों पांडुलिपियां हैं, पाक कला पर दो पांडुलिपियां, जो शाहजहाँ के लिए दस्तूर - ए - पुख्तान एल अतामाह नाम से रचित है. इत्र (सुंगधित तेल) बनाने के बारे में भी प्राचीन पांडुलिपियां हैं. चिकित्सा के क्षेत्र में प्राचीनतम अरबी भाषा का फारसी में अनुवाद मुहम्मद-अर-रादि द्वारा शाहजहाँ के लिए लिखी गयी तरजुमा-ए-मिन्हजुल उपलब्ध हैं. संग्रहालय में भारत में लिपिबद्ध सबसे पुरानी चिकित्सा इन्सिक्लोपीडिया उपलब्ध है. पशु चिकित्सा विज्ञान में पशुओं की चिकित्सा पर उपलब्ध प्राचीनतम पांडुलिपियां मौलजा-ए-जानवरान है और यह फ़िरोज शाह (1281 ई.) को समर्पित है.

उर्दू, तुर्कि, पुश्तु, हिंदी और उड़िया पांडुलिपियां

सालार जंग संग्रहालय में विभिन्न विषयों से संबंधित उर्दू की पांडुलिपियां हैं, जिनमें राजा मुहम्मद कुली द्वारा रचित दीवान-ए-कुली कुतुब शाह और इब्राहिम आदिल शाह द्वारा नुरूस, अंकगणित पर "लीलावती" नामक दुर्लभ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं. तुर्कि में 25 पांडुलिपियां, कुछ हिंदी में और फारसी लिपि में, कुछ पन्ने जैन कल्पसूत्र और कुछ भोज पत्र उड़िया, संस्कृत और तेलुगु में इतिहास, चिकित्सा, तंत्र और कविता के बारे में उपलब्ध हैं.

संदर्शक सुख-सुविधाएं

- संग्रहालय में स्वागत केंद्र तथा पृथक बुकिंग काऊंटर है.
- संग्रहालय में हैदरबादी रसोई सहित विशिष्ट रेस्तांरत अमानती सामान भवन के पहले मंजिल पर है तथा लघु प्रदर्शनियां आयोजित करने के लिए दूसरे तल पर लघु प्रदर्शनी हॉल है.
- संदर्शकों के लिए संग्रहालय के मुख्य भवन में पूर्ण विकसित कैफ्टेरिया तथा पश्चिम ब्लॉक में एक छोटे अउटलेट तेलंगाना पर्यटन विभाग द्वारा चलाई जा रही है.

- शारीरिक रूप से अशसक्त व्यक्तियों के लिए व्हील चेयर और प्रसाधन की व्यवस्था की गई है.
- मल्टी-मीडिया, ऑडियो वीडियो विजुअल और गाइड सुविधाएं:

  संग्रहालय ने चार दीर्घाओं में पूर्ण जानकारी सहित टच स्क्रीन सिस्टम आरंभ किया है. संग्रहालय के प्रवेश द्वार के समीप 65 "स्क्रीन" के साथ संग्रहालय सूचना प्रणाली की स्थापना की गई.
- संदर्शकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया गया है. संग्रहालय ने आरओ सयंत्र स्थापित किया है जिन्हें सभी जल शीतक से जोडा गया है.
- संदर्शकों के बैठने हेतु बेंच की व्यवस्था की गई.
- संग्रहालय ने तीन भवनों के दिशा बोर्ड व संक्षिप्त सूचना सहित आकर्षणीय व बहु रंगी टिकटों की शुरुवात की है जिसे संदर्शक बुक मार्क के जैसे संरक्षित कर सकता है.
- शारीरिक रूप से अशसक्त व्यक्तियों के लिए

  संग्रहालय के तीनों ब्लॉकों पर लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध है.
- सभी भवनों के प्रवेश द्वार पर रैंप की व्यवस्था है.
- सभी दीर्घाओं में श्रवण बाधितों के लिए कलाकृतियों की विवरणी पटल एवं सामान्य लेबल लगाए गए हैं.
- अवश्यकता वाले संदर्शकों के लिए विशेषतौर से एक शिशु दुधपान कमरा बनाया गया है जिसमें सौफा व वातानुकूलन उपलब्ध कराने सहित अंदरूनी हिस्से को सज्जित किया गया हैं.

- शिशु दुधपान कमरे के समीप एक जल शीतक उपलब्ध है.
- संदर्शकों के लिए संग्रहालय ने बैठने की सुविधा व लैंडस्केपिंग विकास किया है.

संग्रहालय के उद्देश्य:

1. संग्रहालय के कला कृतयों का संरक्षण और संरक्षित करना.
2. अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरुप संग्रहालय में सालार जंग संग्रहण और कला कृतियों का प्रदर्शन करना व अन्य संग्रहित वस्तुओं को प्रदर्शित करना.
3. विख्यात विद्वानों, सांस्कृतिक संस्थानों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनो संग्रहालयों के सहयोग से संग्रहालय संग्रहण तथा कला इतिहास से संबंधित व्याख्यान, प्रदर्शनी, संगोष्ठी, कार्यशालाओं का आयोजन करना और सुविधा उपलब्ध करना.
4. विद्यमान दीर्घाओं का रखरखाव और आधुनिकीकरण वैज्ञानिक, सौन्दर्यपूर्वक व जन-हितैषी तरह कला कृतियों का प्रदर्शन करना.
5. जन समूह में संग्रहालय के कला कृतियों के इतिहास और कला कृतियों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए शोध जर्नल, पुस्तकें, ब्रोशर, पुस्तिका आदि जैसे साहित्य प्रकाशित करना.
6. एक सृजनात्मक बैठक स्थल के रूप में कार्य करना और संग्रहालय को एक गतिशील सांस्कृतिक संगठन बनाना.

संग्रहालय के कार्य

- संग्रहालय के कार्य - संग्रहालय के कलात्मक संपदा का संग्रहण, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शनी, संरक्षण और विवेचन करना.

- सालार जंग संग्रहालय प्रत्येक वर्ष विभिन्न अवसरों के अनुरूप प्रदर्शनियों का आयोजन करता है.

  उक्त के अलावा संग्रहालय प्रत्येक वर्ष संग्रहालय सप्ताह, बाल सप्ताह, ग्रीष्मकालीन कला शिविर आदि का भी आयोजन करता है.

संग्रहालय के क्रियाकलाप:
शिक्षा विभाग
सालार जंग संग्रहालय के शिक्षा विभाग में निम्नलिखित शाखाएं हैं:

1. शिक्षा
2. प्रकाशन.
3. जनसंपर्क

प्रत्येक शाखा के क्रियाकलाप नीचे दर्शाए गए हैं :-

1.शिक्षा

(क) अस्थाई प्रदर्शनियां

विशेष/यात्रा प्रदर्शनियां, उत्सव प्रदर्शनियां, चल प्रदर्शनियां

(ख) व्याख्यान

मासिक व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, दीर्घा परिचर्चा, स्मारक व्याख्यान

(ग) अन्य गतिविधियां

ग्रीष्मकालीन कला शिविर, बाल सप्ताह, संग्रहालय सप्ताह, विश्व विरासत सप्ताह, सालार जंग-III जन्मदिन समारोह, संग्रहालय स्थापना दिवस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाएं.

(घ) शैक्षणिक पाठ्यक्रम

संग्रहालय शास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सहयोग से), आंतरिक कर्मियों और स्कूल के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण.

(च) प्रलेखन

विषयसूची कार्ड तैयार करना, मास्टर लेजरों का रख-रखाव, संग्रहालय वस्तुओं का कंप्यूटरीकरण, दीर्घा सी डी तैयार करना.

प्रकाशन

गाईड पुस्तकें, ब्रोशर, पैम्फलैट, द्विवार्षिक एसजेएम पत्रिका तैयार करना व मुद्रण,संग्रहालय स्मारिकाओं का (पोस्ट कार्ड, पोस्टर, सी डी, प्रतिकृतियां आदि) मुद्रण, कैटलॉग पुस्तकें तैयार करना व मुद्रण और ब्रिक्री काउंटरों की देखभाल. संग्रहालय शॉप के परिचालन का कार्य भारतीय हस्तकला और हथकरघा निर्यात निगम लिमिटेड को दिया गया है.

जनसंपर्क

किसी भी संग्रहालय के लिए जनसंपर्क सबसे महत्वपूर्ण विषय है. इस शाखा के अंतर्गत सामान्य और अति विशिष्ट पर्यटकों को नि:शुल्क गाईड सेवा प्रदान की जाती है. सामान्य पर्यटकों और विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को उचित सुविधाएं दी जाती हैं.पर्यटकों के लिए सुझाव पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई गई है, जिनके माध्यम से पर्यटकों के सुझावों पर विचार किया जाता है. जनसंपर्क की मुख्य गतिविधियां हैं: संग्रहालय गाइडिंग, दीर्घा परिचर्चा, स्वागत, अन्य एजेंसियों जैसे एएसआई, पर्यटन विभाग के साथ जनसंपर्क बनाए रखना.

आडिटोरियम (सभागृह)

संग्रहालय में शैक्षणिक कार्य - कलाप और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित करने के लिए संग्रहालय के पश्चिमी ब्लॉक में 225 बैठने की क्षमता की एक वातानुकूलित आडिटोरियम (सभागृह) है. सरकारी संगठनों के अनुरोध पर संग्रहालय सार्वजनिक हित में, शैक्षणिक और संबद्ध कार्यक्रम में सरकारी बैठकें आयोजित करने हेतु आडिटोरियम (सभागृह) भी उपलब्ध कराता है.

व्याख्यान (लेक्चर) हॉल

संग्रहालय में शैक्षणिक कार्य – कलाप जैसे संगोष्ठियां, व्याख्यान आयोजित करने के लिए संग्रहालय के पूर्वी ब्लॉक में 120 बैठने की क्षमता की एक मिनी व्याख्यान हॉल है. सरकारी संगठनों के अनुरोध पर संग्रहालय सार्वजनिक हित में, शैक्षणिक और संबद्ध कार्यक्रम में सरकारी बैठकें आयोजित करने हेतु मिनी व्याख्यान हॉल भी उपलब्ध कराता है.

रसायनिक संरक्षण स्कंध :

रसायनिक संरक्षण स्कंध अमूल्य कलात्मक वस्तुओं का क्षति तथा खराबी से सुरक्षित परिरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. संरक्षण स्कंध अपने तकनीकी कर्मचारियों के साथ इन वस्तुओं के परिरक्षण और उपचार के लिए जिम्मेदार हैं. संग्रहालय में एक परिरक्षण इकाई भी है. रसायनिक संरक्षण स्कंध की निम्नलिखित गतिविधियां हैं :-

- दीर्घाओं में प्रदर्शित तथा भंडार (आरक्षित संग्रह) में परिरक्षित कलात्मक वस्तुओं का परीक्षण.
- प्रयोगशाला में, क्षति/खराबी के कारणों का पता लगाना.
- वस्तुओं के उपचार के लिए प्राथमिकताओं के आधार पर अनुवर्ती कार्रवाई का निर्धारण और आवश्यक उपचार के प्रकार पर भी निर्णय लेना.
- वस्तु के ऐसे उपचार किया जान जो परिरक्षक और निवारक दोनों प्रकार के हो.

इंजीनियरी स्कंध :

इंजीनियरी स्कंध की स्थापना वर्ष 1994 में हुई, जिसका उद्देश्य है, (i) सिविल और विद्युत दोनों कार्यों के निष्पादन का पर्यवेक्षण (ii) परिरक्षण की देख-भाल (iii) भवन अनुरक्षण जिसमें सिविल, जल आपूर्ति, मल-निकासी, वातानुकूलन, बागवानी विकास और अनुरक्षण शामिल है. इस समय इंजीनियरी स्कंध दीर्घाओं के पुनर्गठन परियोजना कार्य से संबद्ध है.

सोलार पॉवर प्लांटः

तेलंगाना नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड(टीएनआरडीसीएल) की सहायता से संग्रहालय में 650 किवॉ सोलार पॉवर प्लांट संस्थापित कर आरंभ किया है. सोलार पॉवर प्लांट संस्थापन से संग्रहालय ऊर्ज़ा खपत में प्रति वर्ष लगभग 60 लाख रु की बचत कर रहा है.

संग्रहालय कर्मचारी :

परिरक्षक कर्मचारियों में क्युरेटर्स, उप-क्युरेटर्स और दीर्घा सहायक शामिल हैं. उनका मुख्य कार्य प्रदर्शन और भंडार में रखे कलावस्तुओं की उचित सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करना और उनका प्रलेखन, दीर्घाओं का अनुरक्षण तथा आरक्षित संचयन. प्रदर्शन और दीर्घा व्यवस्था की देखभाल करने के लिए क्युरेटर्स जिम्मेदार है. इसके अलावा यहां एक फोटोग्राफी सेक्शन भी है. वरिष्ठ गाइड प्राध्यापक तथा गाइड प्राध्यापक की सहायता से पर्यटकों के लिए गाइडेड दौरा आयोजित करते हैं और संग्रहालय का उद्गम तथा उसका महत्व और प्रदर्शन में रखी गई वस्तुओं के महत्व पर व्याख्यान देते हैं.

सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का गठन

संग्रहालय के कार्यकलापों का प्रबंधन सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसके अध्यक्ष तेलंगाना के महामहिम राज्यपाल, पदेन अध्यक्ष और भारत सरकार व तेलंगाना राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले दस अन्य व्यक्ति इसके सदस्य होते हैं। 11 सदस्यों में से पांच सदस्य पदेन और छः नामित सदस्य होते हैं।

बोर्ड अपने चार समितियों अर्थातः कार्यकारी, वित्तीय, भवन सलाहकार और संग्रहालय विकास समितियों के सहयोग से प्रमुख प्रशासनिक, वित्तीय और विकास गतिविधियों पर निर्णय लेता है।

बोर्ड का गठन निम्नानुसार है:

(क)	तेलंगाना राज्य के राज्यपाल	**- पदेन अध्यक्ष**
(ख)	संबंधित मंत्रालय में भारत सरकार के प्रतिनिधि जो सालार जंग संग्रहालय से संबंधित कार्य देखते हो और जो उप सचिव के स्तर से कम न हो	**- पदेन सदस्य**
(ग)	महापौर, हैदराबाद महानगर निगम,	**- पदेन सदस्य**
(घ)	उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति	**- पदेन सदस्य**
(ङ)	महालेखाकार, तेलंगाना	**- पदेन सदस्य**

(च) *केंद्र सरकार द्वारा एक नामित व्यक्ति, जो स्वर्गीय नवाब सालार जंग बहादुर (जिनका देहांत दिनांक 2 मार्च,1949 को हुआ था) के परिवार का सदस्य हो ।

(छ) *केंद्र सरकार द्वारा नामित तीन व्यक्ति जिन्हें यथा संभव संग्रहालय से संबंधित प्रशासनिक मामलों का अनुभव हो।

(ज) *राज्य सरकार के द्वारा नामित दो व्यक्ति।

वर्ष 2021 - 22 के लिए बोर्ड के सदस्यों के नाम निम्नानुसार है:

1.	**डॉ तमिलिसै सौंदरराजन,** महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना, (8 फरवरी 2020 से)हैदराबाद.	- **पदेन अध्यक्ष**
2.	**संयुक्त सचिव** (संग्रहालय) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	- **पदेन सदस्य**
3.	**श्रीमती विजया लक्ष्मी आर.गदवाल** **महामहिम महापौर** हैदराबाद महानगर निगम, हैदराबाद.(11.02.2021 से प्रभावी)	- **पदेन सदस्य**
4.	**प्रोफेसर डी.रविंद्रर,** उप कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद (24-5-2021 से प्रभावी)	- **पदेन सदस्य**
5	**श्री अनिंद्या दास गुप्ता** महालेखाकार, (ए एंड ई) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.	- **पदेन सदस्य**
6	**नवाब एहतरम अली खान,** घर नं. 9-4-2, टोली चौकी, हैदराबाद	**भारत सरकार द्वारनामित सदस्य (सालार जंग परिवार से)**
7	**प्रो. वी. किशन राव,** प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व विभाग के भूतपूर्व विभागाध्यक्ष तथा रजिस्ट्रार(सेवानिवृत्त) उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	**भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य**
8	**डॉ. एस. जय किशन** भवन्स् न्यू साइंस कॉलेज रामकोट, हैदराबाद	**भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य** **सचिव और संवाददाता,**

9 डॉ. जी. कमलाकर **भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य**
निदेशक (सेवानिवृत्त)
बिडला विज्ञान संग्रहालय,
हैदराबाद.

10 डॉ. राममोहन जोगु **तेलंगाना सरकार द्वारा नामित सदस्य**
श्री मीनाक्षी अस्पताल,
बोयापल्ली गेट रोड,
तेलंगाना चौराह समीप,
महबुबनगर जिला, तेलंगाना
23 नवंबर, 2021 का राजपत्रित अधिसूचना
31 दिसंबर, 2021 का शुद्धि पत्र

11 श्री रमेश जमालपुर **राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य**
घर नं. 2-8-2/1,
स्टेट बैंक ऑफ इडिया के समीप,
मार्केट रोड,
महबुबनगर जिला, तेलंगाना
23 नवंबर, 2021 का राजपत्रित अधिसूचना
31 दिसंबर, 2021 का शुद्धि पत्र

सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की ओर से सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव को नामित किया गया है.

वर्ष के दौरान सालार जंग संग्रहालय बोर्ड ने 24 सितंबर,2021 को महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना एवं अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया था.

कार्यकारी समिति

कार्यकारी समिति में 5 सदस्य शामिल है:

पदेन अध्यक्ष के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के कुलपति और बोर्ड द्वारा (4) मनोनीत सदस्य:

1.	**प्रोफेसर डी.रविंद्रर,** उप कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	**पदेन सदस्य**
2.	**श्री अनिंद्या दास गुप्ता** महालेखाकार, (ए एंड ई) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.	**सदस्य**
3.	**नवाब एहतरम अली खान,** घर नं. 9-4-2, टोली चौकी, हैदराबाद	**सदस्य**
4.	**प्रोफेसर वी. किशन राव,** भूतपूर्व रजिस्ट्रार, उस्मानिया विश्वविद्यालय, पावनी अर्पाटमेंट, अर्पाटमेंट नं. 302, 3-6183, गली नं. 17, हिमायत नगर, हैदराबाद	**सदस्य**
5.	**उप सचिव(एम)/निदेशक(एम)** संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार	**सदस्य**

वित्त समिति

वित्त समिति में 6 सदस्य शामिल है

i)	महालेखाकार, (ए एंड ई) तेलंगाना	-	**पदेन अध्यक्ष**
ii)	अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा मनोनीत बोर्ड के सदस्य	-	**सदस्य**
iii)	उप कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	-	**सदस्य**
iv)	संस्कृति मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार या उनके प्रतिनिधि जो उप वित्तीय सलाहकार के स्तर से कम न हो	-	**पदेन सदस्य**
v)	भारत सरकार, संस्कृति विभाग द्वारा मनोनीत	-	**पदेन सदस्य**
vi)	निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद	-	**सदस्य सचिव**

वित्त समिति के सदस्यों के नाम निम्नानुसार है :

1)	**श्री अनिंद्या दास गुप्ता,** आईए & एएस महालेखाकार, (ए एंड ई), तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.	-	**अध्यक्ष**
2)	**डॉ. जी. कमलाकर** निदेशक(सेवानिवृत) बिडला संग्रहालय, हैदराबाद	-	**सदस्य**
3)	**प्रोफेसर डी.रविद्रर,** उप कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	-	**सदस्य**
4)	**वित्तीय सलाहकार** (आई.एफ.डी.) या उनके प्रतिनिधि एकीकृत वित्त मंडल, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली.	-	**सदस्य**
5)	**निदेशक (एम),** संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार	-	**सदस्य**
6)	**डॉ. ए.नागेंदर रेड्डी** निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद.	-	**सदस्य सचिव**

वित्त समिति ने 25 अक्तूबर 2021 को वर्ष 2020-21 के लिए संग्रहालय के वार्षिक लेखा को मंजूरी दी और संग्रहालय को प्रमुख लेखा परीक्षा निदेशक (केंद्रीय) तेलंगाना से ऑडिट पार्टी को आमंत्रित करने की अनुमति दी.

भवन सलाहकार समिति

1)	**प्रोफेसर डी.रविद्रर**, उप कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	-	**अध्यक्ष**
2)	**श्री अनिंद्या दास गुप्ता** महालेखाकार, (ए एंड ई) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.	-	**सदस्य**
3)	प्रोफेसर सिविल इंजीनियरिंग विभाग/ (उप कुलपति, उस्मानिया विश्व विद्यालय से नामित करने के लिए अनुरोध किया जाएगा)	-	**सदस्य**

4) जेएनएफएयू से वरिष्ठ प्रोफेसर (उप कुलपति, जेएनएफएयू से नामित करने के लिए अनुरोध किया जाएगा) - **सदस्य**

5) **डॉ. जी. कमलाकर** - **सदस्य**
निदेशक(सेवानिवृत)
बिडला संग्रहालय, हैदराबाद

6) **डॉ. एस. जय किशन** - **सदस्य**
सचिव, भवन्स् न्यू साइंस कॉलेज
रामकोट, हैदराबाद

7) निदेशक, - **सदस्य**
सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद.

संग्रहालय विकास समिति:

इस समिति में मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार तथा 6 नामित सदस्य है.

1. **श्री सी. सोमेश कुमार,** **पदेन अध्यक्ष**
मुख्य सचिव,
तेलंगाना सरकार, हैदराबाद

2. आयुक्त, जीएचएमसी **सदस्य**

3. महालेखाकार, (ए एंड ई) **सदस्य**
तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.

4. प्रमुख सचिव/सचिव, **सदस्य**
पर्यटन एवं संस्कृति, तेलंगाना सरकार

5. **नवाब एहतरम अली खान,** **सदस्य**
सालार जंग संग्रहालय बोर्ड के सदस्य

6. सालार जंग संग्रहालय बोर्ड के सदस्य **सदस्य**
तेलंगाना सरकार से प्रतिनिधित्व करने वाले

7. निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद. **सदस्य**

वित्तीय स्थिति - एक नज़र में 2021-2022

(लाख रु. में)

लेखा शीर्ष	अनुदान	व्यय	कुल	शेष
31-जीआईए-सामान्य	1674.00	31-जीआईए-सामान्य	1631.13	42.87
31-जीआईए-सामान्य (भारत में संग्रहालय का पुनर्कल्पना - विश्व शिखर सम्मेलन)	40.00	31-जीआईए-सामान्य (भारत में संग्रहालय का पुनर्कल्पना -विश्व शिखर सम्मेलन)	30.79	9.21
35-जीआईए-सीसीए	100.00	35-जीआईए- सीसीए	100.00	0.00
36-जीआईए-वेतन	1270.00	36-जीआईए- वेतन	1241.49	28.51
96.31 स्वच्छ भारत	2.00	96.31स्वच्छ भारत	2.00	0.00
कुलः	**3086.00**	**कुलः**	**3005.41**	**80.59**

गेट प्राप्तियां और अन्य प्राप्तियों की राशि 2,45,25,459/– रुपये भवनों एवं उद्यानों के रख–रखाव पर भी व्यय किया गया है।

दर्शकः वित्तीय वर्ष 2016–17 से 2020-21 के दौरान दर्शकों की संख्या दर्शाने वाला तुलनात्मक विवरण निम्नानुसार है :-

वित्त वर्ष	भारतीय दर्शक	गैर-भारतीय दर्शक	राजस्व रु. में
2017-18	12,83,486	7,763	2,30,38,780
2018-19	13,37,624	8,041	2,39,47,890
2019-20	12,11,766	6,829	2,10,26,660
2020-21	1,47,746	84	28,12,010
2021-22	4,30,245	505	1,38,21,830

वर्ष के दौरान 4,30,750 दर्शकों (505 गैर-भारतीय दर्शकों सहित) ने संग्रहालय का दौरा किया. प्रवेश टिकटों की बिक्री के जरिए कुल 1,38,21,830/- रु. (गैर- भारतीय दर्शकों से प्राप्त 2,52,500/- रु सहित) का राजस्व प्राप्त हुआ.

III (क) संग्रहालय के गतिविधियां (2021-22):

अवधि के दौरान संग्रहालय ने 49 (21 अस्थायी प्रदर्शनी, 28 ऑन लाइन), 1 कार्यशाला, 1 संगोष्ठी, 1 विश्व शिखर सम्मेलन और महत्वपूर्ण धार्मिक, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ 12 कार्यक्रमों का आयोजन किया.

प्रदर्शनियां

i) हफिज ईरान महावाणिज्य दूत के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 12 अक्तूबर 2021 को वूड इनले तथा लाइव सुलेख सहित शिराज पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया. इस प्रदर्शनी को सालार जंग संग्रहालय ने प्रायोजित किया.

ii) विश्व विरासत सप्ताह (19 से 25 नवंबर 2021) के अवसर पर संग्रहालय ने दि.19 नवंबर, 2021 को सृष्टि फाऊंडेशन एवं इंटैक, हैदराबाद चेप्टर के सहयोग से “**रामप्पा मंदिर वरंगल के कला और वास्तुकला**" विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया.

iii) संग्रहालय ने 9 दिसंबर,2021 को "**वर्णा - सहयोगात्मक कपडे एवं चित्रकारी**" विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया.

iv) क्रिसमस उत्सव के अवसर पर संग्रहालय ने 24 दिसंबर, 2021 को " **तेलंगाना की यीशु की संरचना** " पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया.

v) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 8 मार्च 2022 को "**अलग कला रूप में महिलाएं**" विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया.

भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय ने संस्कृति मंत्रालय के अधीन आने वाले सभी संगठनों को आजादी का अमृत महोत्सव के संबंध में कार्यक्रमों और स्मारक गतिविधियों को शुरू करने के लिए सूचित किया है. संग्रहालय ने भी आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में निम्नलिखित कार्यक्रमों और स्मारक गतिविधियों का शुभारंभ किया है.

I) डॉ.बी.आर.अम्बेडकर जयंती के अवसर पर संग्रहालय ने 12 अप्रैल 2021 को एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया.

ii) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 21 जून 2021 को एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया.

iii) जगन्नाथ रथ यात्रा दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 12 जुलाई, 2021 को एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया.

iv) संग्रहालय ने 15 अगस्त 2021 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर "1857 से 1947 तक स्वतंत्रता आंदोलन" विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया.

v) संग्रहालय ने 30 सितंबर, 2021 को गांधी जयंती के अवसर पर मोहनदास करम चंद गांधी तथा स्वतंत्रता के लिए आंदोलन विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया.

vi) दशहरा त्योहार के अवसर पर संग्रहालय ने 13 अक्तूबर 2021 को "दुर्गा देवी" विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया.

vii) संग्रहालय ने 1 नवंबर 2021 को आई व पी आर- हैदराबाद के फोटो डिविजन के प्रयोजन से "सरदार वल्लभ भाई पटेल" शीर्षक एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया.

viii) बाल सप्ताह के अवसर पर, संग्रहालय ने पंडित जवाहरलाल नेहरु, भूतपूर्व प्रधान मंत्री पर प्रदर्शनी का आयोजन किया.

ix) "संविधान दिवस" के अवसर पर, संग्रहालय ने 26 नवंबर, 2021 को भारतीय संविधान विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया. इस प्रदर्शनी में भारतीय संविधान विषय पर लगभग 36 फोटो प्रर्दशित किए गए.

x) डॉ बी.आर.अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर संग्रहालय ने 6 दिसंबर, 2021 को संग्रहालय ने "महापरि निर्वाण दिवस " विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया.

xi) "संग्रहालय स्थापना दिवस" के अवसर पर संग्रहालय ने 16 दिसंबर, 2021 को एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया.

xii) नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 22 जनवरी 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव बैनर तले एक विशेष फोटो प्रर्दशनी का आयोजन किया.

xiii) गणतंत्र दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 26 जनवरी, 2021 को एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया.

xiv) संग्रहालय ने 28 फरवरी, 2022 को "देवी गंगा एक पवित्र नदी" विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया.

xv) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 8 मार्च 2022 को विभिन्न कला रूप में महिलाएं विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया.

xvi) संग्रहालय ने 18.03.2022 को होली उत्सव के अवसर पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया.

<u>कोविड महामारी के कारण और भारत सरकार के अनुदेशानुसार संग्रहालय को 5 अप्रैल, 2021 से 15 जून, 2021 तक जनता के लिए बंद रखा गया.</u>

कोविड के मद्दे नजर: संग्रहालय ने ऑनलाइन के जरिए 28 प्रदर्शनियों का आयोजन किया है और नेटिज़न्स को शामिल कर सामान्य जनता तथा विद्य़ार्थियों, इतिहासकारों व कला प्रमियों के लाभार्थ सालार जंग संग्रहालय के फेसबुक अकाउंट, ट्विटर तथा इंस्टाग्राम में पोस्ट किया है.

क्र.सं.	ऑनलाइन प्रदर्शनी का नाम	तारीख
1	महलाखा बाई चंदा: दक्कन से तवायफ रोयाले	7 अप्रैल, 2021
2	विश्व विरासत दिवस – हैदराबाद के स्मारक	18 अप्रैल, 2021
3	राजा रवि वर्मा द्वारा ''निराशा"	29 अप्रैल, 2021
4	दीवान देवडी में सालार जंग संग्रहालय	18 मई, 2021
5	अंतराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस	18 मई, 2021
6	बुद्ध	25 मई, 2021
7	बुद्ध की छवियां'	26 मई, 2021
8	सालार जंग III का स्मरण	14 जून, 2021
9	रंगों के साथ ध्वनि का मिलन - सलार जंग संग्रहालय, हैदराबाद में राग माला चित्रकारी की दुनिया (1600-1899)	21 जून, 2021

10.	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	21 जून, 2021
11	भारत की यात्राएं - सालार जंग संग्रहालय पुस्तकालय, हैदराबाद में 17वीं और 18वीं सदी के यात्रा वृतांत	5 जुलाई, 2021
12	नवाबों से प्राप्त उपहार - सालार जंग संग्रहालय पुस्तकालय, हैदराबाद, भारत में ऑटोग्राफ वाली पुस्तकें.	6 अगस्त, 2021
13	गणेश की छवियां	10 सितंबर, 2021
14	मैसूर के चमत्कार - सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद, भारत के संग्रहण से शाही चित्रकारी	15 सितंबर, 2021
15	आधुनिक चित्रकारी - सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद, भारत में अब्दुर रहमान चुगताई की चित्रकारी.	27 सितंबर, 2021
16	विश्व पर्यटन दिवस – तेलंगाना राज्य के स्मारक.	27 सितंबर, 2021
.17	भारतीय कला में महाकाव्य - सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद, भारत में चित्रकथी संग्रहण	5 अक्तूबर, 2021
18	क्लासिक्स हमेशा के लिए - सालार जंग संग्रहालय पुस्तकालय, हैदराबाद, भारत से चुनिंदा उदाहरण	20 अक्तूबर, 2021
19	दिवाली रॉयल	4 नवंबर, 2021
20	जैन कला – चुनिंदा कल्पसूत्र	24 नवंबर, 2021
21	दक्कनी चित्रकारी में महिलाएं	2 दिसंबर, 2021
22	दीवान देवडी की झलकियां	16 दिसंबर, 2021
23	सम्मिश्रित चित्रकारी - सालार जंग संग्रहालय के संग्रहण से चुनिंदा कलाकारी.	14 जनवरी, 2022
24	भारत के गंजीफा पुराने ताश के खेल	14 फरवरी, 2022.
25	रॉयल राजपुताना - सालार जंग संग्रहालय के संग्रहण से चुनिंदा चित्रकारी.	15 फरवरी, 2022
26	राजस्थान का वैभव - सालार जंग संग्रहालय से चुनिंदा राजस्थानी चित्रकारी.	15 फरवरी, 2022
27	होली की खुशियाँ	18 मार्च, 2022
28	सत्सुमा वेयरः 19-20वीं सदी की छवियां	18 मार्च, 2022

कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/विशेष वार्ता

कार्यशाला:

- संग्रहालय में 14 सितम्बर, 2021 को हिन्दी सप्ताह मनाया गया. इस अवसर पर संग्रहालय ने कार्यशाला का आयोजन किया. इस कार्यशाला में संग्रहालय के कर्मचारियों ने भाग लिया. इस अवसर पर संग्रहालय द्वारा निबंध एवं वाक् प्रतियोगितओं का आयोजन किया गया. विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए.

संगोष्ठी:

सालार जंग संग्रहालय द्वारा 23 से 25 अक्तूबर, 2021 तक 3 दिवसीय अवधि के लिए न्यूमिज़माटिक सोसाइटी ऑफ़ इंडिया का 103 वां वार्षिक सम्मेलन हैदराबाद फिलाटेलिक तथा हॉबीज़ सोसाइटी, हैदराबाद के सहयोग से आयोजन किया गया. संगोष्ठी में प्रदर्शित मुद्रा, डाक टिकट संग्रहण संदर्शकों का ध्यान आकर्षित किया तथा संगोष्ठी के अंतिम दिन कर्मचारियों ने हिस्सा लिया.

वैश्विक शिखर सम्मेलन:

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने 15 और 16 फरवरी, 2022 को दो दिवसीय आभासी कार्यक्रम "भारत में संग्रहालयों को पुन:निर्मित करना" पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया. विश्व भर से पेशेवर और संग्रहालय विज्ञानियों ने "संग्रहालय के विकास व प्रबंधन में सर्वोत्तम पद्धतियां" पर अपने विचार प्रकट किए. सालार जंग संग्रहालय ने इस शिखर सम्मेलन की मेज़बानी की.

कार्यक्रम:

- संग्रहालय में 21 मई, 2021 को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया. केंऔसुब (सीआईएसएफ) कर्मियों सहित संग्रहालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कोविड-19 के मापदंडों का पालन करते हुए शपथ ली.

- सालार जंग ।।। जयंती के अवसर पर संग्रहालय के अधिकारियों, कर्मचारियों और केंऔसुब (सीआईएसएफ) कर्मियों ने 14-06-2022 को संग्रहालय के संस्थापक नवाब सालार जंग ।।। की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया.

- संग्रहालय ने 21 जून, 2021 को "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" मनाया. योग अभ्यास का आयोजन किया गया. केंऔसुब (सीआईएसएफ) कर्मियों सहित संग्रहालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया. संग्रहालय ने "योग और भारतीय विरासत" पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया. इस दिन संगीत संध्या कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया.

- संग्रहालय में 12 जुलाई, 2021 को जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर एक विशेष प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया.

- संग्रहालय में 15 अगस्त, 2021 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया..

- राष्ट्रपिता, महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर संग्रहालय ने 2 अक्तूबर, 2021 को महान व्यक्तित्व को पुष्पांजलि अर्पित की.

- भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री लाल बहादुर शास्त्री को 2 अक्तूबर, 2021 को उनकी जयंती के अवसर पर पुष्प अर्पित किये गये.

- ऑडियो गाइड एप्लीकेशन:
श्री जयेश रंजन, भाप्रसे (आईएएस), प्रमुख सचिव, उद्योग और वाणिज्य और सूचना प्रौद्योगिकी, तेलंगाना सरकार ने 18 अक्तूबर, 2021 को सालार जंग संग्रहालय ऑडियो गाइड एप्लीकेशन प्रारंभ किया. कलाकृतियों और उसके इतिहास संबद्ध कथन एवं उसके गत भव्य स्थानों में रुचि रखने वाले संदर्शक दौरे के दौरान संग्रहालय में अपने मोबाइल फोन पर आसानी से सुन सकते हैं.

- बाल सप्ताह: संग्रहालय में 14-20 नवंबर, 2021 तक बाल सप्ताह मनाया गया. इस अवसर पर संग्रहालय ने बच्चों के लिए निबंध लेखन, वाक् प्रतियोगिता 4 भाषाओं में और चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए.

- सालार जंग संग्रहालय में 8-14 जनवरी, 2022 तक संग्रहालय सप्ताह मनाया गया. अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन हुआ.

- 12 जनवरी, 2022 को महिलाओं (तीन आयु ग्रुप) के लिए आजादी का अमृत महोत्सव विषय पर पारंपरिक "रंगोली" प्रतियोगिता आयोजित की गई. विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए. 13 जनवरी, 2022 को संग्रहालय के महिला कर्मियों के लिए एक सामान्य रंगोली का आयोजन किया गया.

- स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस के अवसर पर 12 जनवरी, 2022 को संग्रहालय में पुष्पांजलि अर्पित की गई.

- 23 मार्च, 2022 को संग्रहालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारत के स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर, पुष्पांजलि अर्पित की.

स्वच्छ भारत

संग्रहालय ने स्वच्छ भारत के तहत वर्ष 2014 से नियमित गतिविधि के रूप में संग्रहालय और उसके आसपास की सफाई के रखरखाव के लिए विभिन्न गतिविधियों की शुरुआत की है. यह निरंतर प्रक्रिया है. संग्रहालय के अधिकारी और कर्मचारी और केंऔसुब के जवान नियमित रूप से संग्रहालय भवन छत और संग्रहालय के आसपास की सफाई पर निरंतर निगरानी कर रहे हैं.

यौन उत्पीड़न

भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय ने जीओएमएस संख्या एफ.20-12-2018 दिनांक 24 सितंबर 2019 में अनुदेश जारी किया है कि, वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करने वाले प्रत्येक संगठन को वर्ष के दौरान कार्य स्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के मामलों की संख्या और अधिनियम के तहत निपटाए गए मामलों को संगठन की वार्षिक रिपोर्ट में शामिल किया जाना चाहिए.

जहां तक सालार जंग संग्रहालय का संबंध है, इस संग्रहालय के कार्य स्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न की ऐसी कोई शिकायत या उत्पीड़न की सूचना नहीं दी गई है और निपटाई गई शिकायतों को शून्य माना जाए.

संग्रहालय गतिविधियां

क) पाण्डुलिपि अनुभागः पाण्डुलिपि अनुभाग की गतिविधियाँ संक्षेप में निम्नानुसार हैं।

क) दौरा करने वाले विद्वानों की संख्या	:	109
(ख) देखे गए पांडुलिपियों की संख्या	:	155
(ग) पांडुलिपियों का भौतिक सत्यापन	:	7091

ख) पुस्तकालय अनुभाग: प्राच्य अनुभाग सहित पुस्तकालय की गतिविधियां संक्षेप में निम्नानुसार हैं।

क) दौरा करने वाले विद्वानों/पाठकों की संख्याः	:	455
ख) देखे गए पुस्तकों/पत्रिकाओं की संख्याः	:	957
ग) पुस्तकों, पत्र - पत्रिकाओं का भौतिक सत्यापनः	:	6443

ग) रासायनिक संरक्षण प्रयोगशाला

अवधि के दौरान विभिन्न श्रेणियों की 394 कलाकृतियों का रासायनिक उपचार और संरक्षण किया गया. इसके अतिरिक्त रासायनिक प्रयोगशाला ने 334 गैर-वस्तुओं (अर्थात् बाइंडिंग पुस्तकों और रजिस्टरों) का उपचार किया.

घ) कलाकृतियों का भौतिक सत्यापन

अवधि के दौरान 5083 कलाकृतियों का भौतिक सत्यापन किया गया.

च) प्रलेखन तथा डिजिटलीकरण

- अवधि के दौरान 923 कलाकृतियों को जतन प्रबंधन सॉफ्टवेयर में प्रकाशित किया गया है और अब तक किया गया कुल कार्य 47,603 है.
- संग्रहालय में पुस्तकालय की पुस्तकों के डिजिटलीकरण का कार्य किया जा रहा है, इनमें से अत्यधिक सालार जंग संग्रहण से अब तक 28,229 पुस्तकालय के पुस्तकों को इंट्रानेट में रखा गया है.
- 5696 पांडुलिपियों को डिजीटलीकरण कर सर्वर पर अपलोड किया गया है.

छ) आरएफआईडी टैगिंग.

- अब तक 69,223 पुस्कालय के पुस्तकों का टैगिंग कार्य पूरा किया गया है.
- पाण्डुलिपि टैगिंग का कार्य पूरा किया गया है.

विकास कार्य

- बुकिंग कार्यालय का नवीनीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है.
- बच्चों के लिए एक इंटरैक्टिव सेंटर का निर्माण कार्य आरंभ किया गया. सिविल कार्य चल रहा है.

दीर्घाओं का पुनर्गठन

दीर्घाओं के पुनर्गठन की योजना के अंतर्गत 22 दीर्घाओं का अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर आधुनिकीकरण किया गया.

- छह दीर्घाएं अर्थात् दक्षिण भारतीय लघु कला दीर्घा, यूरोपीय संगमरमर दीर्घा, यूरोपीय कांस्य दीर्घा, भारतीय कांस्य दीर्घा, भारतीय मूर्तिकला दीर्घा तथा बिदरीवेयर दीर्घा के पुनर्गठन का कार्य पूर्ण किया गया है और यह जनता के संदर्शन हेतु तैयार है.

सालार जंग संग्रहालय हैदराबाद

वार्षिक लेखा

वर्ष

2021-2022

के लिए

वर्ष 2021 - 2022 के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का वार्षिक लेखा

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	अनुसूची सं.	पृष्ठ सं. से -तक
1	तुलन पत्र		41
2	आय और व्यय लेखा		42
3	प्राप्तियां व भुगतान लेखा		43-44
अनुसूचियां - तुलन पत्र			
4	कार्पस /पूंजीगत निधि	1	45
5	रिज़र्व और अधिशेष	2	45
6	चिह्नित निधि	3	46
7	प्रारक्षित ऋण व उधार	4	46
8	गैर-प्रारक्षित ऋण व उधार	5	46
9	आस्थगित दायिता	6	47
10	चालू दायिता / प्रावधान	7	47
11	नियत परिसंपत्तियां	8	48–49
12	चिह्निनत / धर्मदाय निधि से निवेश	9	50
13	निवेश - अन्य	10	50
14	रद्दी परिसंपत्ति	10क	50
15	तुलन पत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची	11	51
अनुसूचियां - आय और व्यय लेखा			
16	विक्रय/सेवाओं से आय	12	52
17	अनुदान / परिदान	13	52
18	शुल्क / अभिदान	14	53
19	निवेश से आय	15	53
20	रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	53
21	अर्जित ब्याज	17	54
22	अन्य आय	18	54
23	नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	18क	55
24	तैयार माल के स्टाक में घट-बढ व चालू कार्य	19	55
25	स्थापना व्यय	20	55
26	अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	56
27	केंऔसुब पर व्यय	21क	57
28	पूर्ववर्ति अवधि समायोजन	21ख	57
29	अनुदान, परिदान आदि पर व्यय	22	57
30	ब्याज प्रदत्त	23	57
लेखा पर टिप्पणियां			
31	विशिष्ट लेखा नीतियां और लेखा पर टिप्पणियां	24 व 24क	58–59
32	आकस्मिक दायिता	25	60–61
33	ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां	(अनु-11ख)	62
	चालू दायिता	(अनु-7)	62
34	अन्य आय	18	63
35	सामान्य भविष्य निधि तुलन पत्र		64
36	प्राप्तियां और भुगतान		64
37	सामान्य भविष्य निधि लेखा (ब्राडशीट के अनुसार)		64
38	सामान्य भविष्य निधि निवेश अनुसूची-।		65
39	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए संग्रहालय के वार्षिक लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट		66-72

वित्तीय विवरणी (गैर - लाभ संगठन)
सालार जंग संग्रहालय
दि. 31 मार्च 2022 को तुलनपत्र

(राशि-रुपयों में)

कार्पस/पूंजी, निधि और दायिता	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	अनुसूची
कार्पस/पूंजी निधि	526,998,781	555,669,388	1
रिजर्व और अधिशेष	6,647,551	8,374,896	2
चिह्नित/धर्मदाय निधि	278,990	272,741	3
प्रारक्षित ऋण और उधार	-	-	4
गैर प्रारक्षित ऋण और उधार	-	-	5
आस्थगित दायिता	-	-	6
चालू दायिता और प्रावधान	12,183,579	7,307,326	7
कुल - दायिता	**546,108,901**	**571,624,351**	
परिसंपत्तियां	**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**	**अनुसूची**
नियत परिसंपत्तियां - खंड ब्लॉक			**8**
i) वर्ष के आरम्भ में	980,546,349	939,999,702	
ii) वर्ष के दौरान जोड	3,369,199	40,546,647	
iii) जोड: वर्ष के दौरान समायोजन	110,330		
iv) वर्ष के अंत में (i + ii)	984,025,878	980,546,349	
घटाएं: मूल्यह्रास	478,952,898	437,824,182	
आरक्षिति का समायोजन		2,041,069	
शुद्ध राशि:	505,072,980	540,681,098	
जोड : चल रहे पुंजीगत कार्य	15,755,436	9,307,540	
कुल नियत परिसंपत्तियां:	**520,828,416**	**549,988,638**	**8**
निवेश – चिह्नित / धर्मदाय निधियों से	278,990	272,741	9
निवेश - अन्य	-	-	10
रद्दी परिसंपत्तियां	-	-	10A
चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि.	25,001,495	21,362,972	11
विविध व्यय (समायोजन किया गया या बट्टे खाते में न डाला गया)		-	-
कुल - परिसंपत्तियां	**546,108,901**	**571,624,351**	

लेखाकरण की महत्वपूर्ण नीतियां और लेखों पर टिप्पणी : 24/24क

आकस्मिक देयताएं 25

सालार जंग संग्रहालय
दि. 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय का लेखा

(राशि-रु में)

	आय	चालू वर्ष		पिछला वर्ष		अनुसूची
क	बिक्री / सेवाओं से आय		20760585		5080391	12
ख	(i) केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान :	308600000		186884000		
घटाएं:	(ii) अप्रयुक्त अनुदान	-8059194		14255628		13
	(iii) निवल (i - ii)	300540806		201139628		
जोडें:	(iv) पिछले वर्ष का अप्रयुक्त अनुदान पुन:वैधित	-				
	(v) मंत्रालय को देय ब्याज समायोजित	-				
	वर्ष के दौरान प्रयुक्त अनुदान (iii + iv)	300540806		201139628		
घटाएं:	पूंजीगत लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान	10000000		10000000		
	कार्पस/पूंगीगत निधि को अंतरित: (अनुसूची-1 देखें)					
निवल	(ख) राजस्व लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान		290540806		191139628	
ग	सोलार पॉवर प्लांट के लिए एमएनआरई (*) से प्राप्त सहायता राशि					
घ	शुल्क / अभिदान		0		-	14
	निवेश से आय - चिह्नित / धर्मदाय निधि	6249		16493		
	चिह्नित / धर्मदाय निधि से आय निधि लेखा को अंतरित (अनुसूची 9 देखें)	-6249		-16493		15
च	रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय				0	16
छ	अर्जित ब्याज		1235847		1383428	17
ज	अन्य आय		2811412		1584502	18
झ	सहायता प्राप्त सोलार पॉवर प्लांट से आस्थगित आय		1727345		1727345	8&2
ट	स्थायी परिसंपत्ति की बिक्री से प्राप्त राशि				-	18क
ठ	स्टॉक (प्रकाशनों) में वृद्धि (+) / कमी (-)		-10675		-21175	19
	कुल (क)		**317,065,320**		**200,894,119**	
	व्यय	**चालू वर्ष**		**पिछले वर्ष**		
क	स्थापना व्यय		125713112		122325514	20
ख	प्रशासनिक व अनुरक्षण व्यय		52814829		29063895	21
ग	केंऔसुब पर व्यय		138120339		46441013	21क
घ	पूर्व अवधि लेनदेन / समायोजन		-			21ख
च	अनुदान आदि पर व्यय		-		-	22
छ	ब्याज		-		-	23
ज	वर्ष के लिए मूल्य ह्रास (अनुसूची - 8 देखें)		39087647		48863471	8
	कुल (ख)		**355735927**		**246693893**	
	आय से अधिक व्यय का शेष अधिक आय (ख - क)		38670607		45799774	
	पूंजीगत रिज़र्व को अंतरित (अनुसूची - 2 देखें)				0	
	सामान्य रिज़र्व से / को अंतरित		-		-	
	शेष (घाटा) कार्पस / पूंजीगत निधि को अग्रेनीत- (अनुसूची 1 देखें)		**38670607**		**45799774**	

(*) एमएनआरई – नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (अनुसूची – 24क के अंतर्गत नोट 5ख देखें)

सालार जंग संग्रहालय

दि.31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां व भुगतान

(राशि रु.में)

क्रम सं.	प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I	**अथ शेष**		
	क) हाथ नकदी	26460	20164
	ख) बैंक में शेष		
	i. चालू खाते में	-1740731	25675289
	ii. जमा खाते में		-
	iii. बचत खाते म	13704014	-
	कुल - I	**11989743**	**25695453**
II	**प्राप्त अनुदान**		
	क) केंद्र सरकार से		
	क) सामान्य - केऔसुब और संग्रहालय अनुरक्षण (एच 31)	171400000	74250000
	ख) पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन (एच 35)	10000000	10000000
	ग) कर्मचारी वेतन (एच 36)	127000000	102494000
	घ) स्वच्छ भारत (96.33)	200000	140000
	कुल - II	**308600000**	**186884000**
	ख) राज्य सरकार से	-	-
	ग) अन्य स्रोतों से	-	-
III	**टिकटों की बिक्री से आय**	**20760585**	**5080391**
IV	**निम्नलिखित से निवेश पर आय**		
	क) चिह्नित / धर्मदाय निधि	-	-
	ख) अपनी निधि (अन्य निवेश)	-	-
	पृष्ठ कुल अग्रेनीत	**341350328**	**217659844**

क्रम सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I	**व्यय: (स्थापना, प्रशासनिक आदि)**		
	क) स्थापना व्यय	124149215	122360514
	ख) प्रशासनिक व रखरखाव व्यय	42817875	23177915
	ग) प्रकाशनों का मुद्रण		0
	घ) कर्मचारी अग्रिम		0
	च) बयाना धन की वापसी	3941025	320566
	छ) टीडीएस, जीएसटी और सेस	1087709	611553
	ज) छात्रवृत्ति		
	कुल - I	**171995824**	**146470548**
II	**किए गए निवेश व जमा**		
	i. चिह्नित निधियों से	-	-
	ii. अपनी निधियों से (निवेश-अन्य)	-	-
III	**(क) व्यय (पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन)**		
1	भवन परियोजना (नया)		
2	विद्यमान भवन विकास	1019241	6824030
3	दीर्घाओं का पुर्नगठन	1638111	2816653
4	चल रहे पूंजीगत कार्य	6447839	
5	कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	244499	
6	उपकरण आदि का संरक्षण		
7	सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन		
8	डिजिटाइजेशन और प्रलेखन		
9	जन सुविधाएं		
10	संरक्षण - पुस्तकालय, पांडुलिपियां		
11	विद्युत प्रतिष्ठान	102768	4500
12	विद्युत और अन्य उपकरण	373606	351057
13	फर्नीचर और जुडनार	98554	
14	पुस्तकालय पुस्तकें	75382	3760
15	सोलार पावर प्लांट का अग्रिम		
	कुल - II (सीसीए)	**10000000**	**10000000**
	पृष्ठ कुल अग्रेनीत	**181995824**	**156470548**

(राशि रु.में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कुल शेष अग्रानीत	**341350328**	**217659844**
V निम्नलिखित पर प्राप्त ब्याज		
1 बैंक में जमा टीडीआर		
2 बचत खाता	469614	457602
3 विध्युत जमा और अन्य		
4 कर्मचारी अग्रिम	662076	820300
कुल - V	**1131690**	**1277902**
VI अन्य आय (उल्लेख करें)		
क) प्रकाशनों की बिक्री		
ख) पट्टा किराया	2224520	844018
ग) विविध प्राप्तियां	78883	127678
d) शूटिंग शुल्क	150000	
e) मुद्राशास्त्रीय सम्मेलन	49359	
घ) अन्य आय (तोलन मशीन, रद्दी बिक्री)	150422	
कुल - VI	**2653184**	**971696**
VII अन्य कोई प्राप्तियां / वसूलियां		
क) कर्मचारी अग्रिम	355038	442230
ख) बयाना जमा रकम	389686	327958
ग) परिपरिसंपत्तियों की बिक्री		
घ) टीडीएस जीएसटी और सेस	1446578	712220
च) बैंक गारंटी जमा की रिहाई		
छ) पेंशन निधि जमा		
कुल - VII	**2191302**	**1482408**
कुल	**347326504**	**221391850**

भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कुल शेष अग्रानीत	**181995824**	**156470548**
III (ख) व्यय (अन्य)		
1 .सांस्कृतिक व जन शिक्षा	1237072	
2 संरक्षण	295278	401674
3 पुस्तकालय	962273	319641
4 पांडुलिपी	487632	157826
5 फोटोग्राफी	123187	93297
6 डिजिटाइजेशन और प्रलेखन	612352	429782
7 सुरक्षा उपकरण का अनुरक्षण	6026854	5088326
8 केंऔ.सु.ब. की प्रतिनियुक्ति	138120339	46441013
9 स्वच्छ भारत अभियान	200000	
कुल - III	**148064987**	**52931559**
IV अतिरिक्त धन/ऋण की धनवापसी		
क) भारत सरकार को	-	-
ख) राज्य सरकार को	-	-
ग) ऋण देनेवालों को	-	-
V वित्त प्रभार	-	-
VI अन्य भुगतान	**54188**	-
VII इतिशेष		
क) हाथ नकदी	81600	26460
ख) बैंक में शेष		
i) चालू खाते में	9819869	-1740731
ii) जमा खाते में		-
iii) बचत खाते में	7310036	13704014
कुल - VII	**17211505**	**11989743**
कुल	**347326504**	**221391850**

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2022 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 1 - कार्पस/पूंजीगत निधि:	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
(क) वर्ष के आरंभ में शेष	1023652238		1013652238	
जोड़ें: वर्ष के लिए कार्पस/पूंजीगत निधि के प्रति अभिदान (सीसीसी निधि + सहायिकी)	10000000		10000000	
वर्ष के अंत में कुल :		1033652238		1023652238
(ख) पिछले वर्ष से लाया गया आय से अधिक व्यय शेष	467982850		420142007	
जोड़ें: आय और व्यय लेखे से अंतरित अधिक व्यय शेष	38670607		45799774	
घटाएं: मूल्यह्रास पद्धति में परिवर्तन के कारण समायोजन			2041069	
घटाएं: कुल आय से अधिक व्यय		506653457		467982850
कुल (क - ख)		**526998781**		**555669388**

(राशि रु.में)

अनुसूची 2 - आरक्षितियां व अधिशेष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 पूंजी आरक्षिति		
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार	8374896	10102241
वर्ष के दौरान जोड		
घटाएं: कटौतियां (आय और व्यय लेखा को अंतरण)	1727345	1727345
वर्ष के अंत तक शेष	6647551	8374896
2 आरक्षिति व अधिशेष	-	-
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जोड		
.घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
3 विशेष आरक्षिति	-	-
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जोड		
.घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
4 साधारण आरक्षिति	-	-
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जोड		
.घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
कुल	**6647551**	**8374896**

नोट: रु.17,27,345 के आस्थगित व्यय को इसी मूल्यह्रास प्रभारित में कटौति की गई.(अनुसूचि 24 (क) के अंतर्गत नोट 5(ख) देखें)

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2022 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 3 - चिह्नित/ धर्मदाय निधि:	निधि-वार कोटि			कुल	
	सालार जंग संग्रहालय स्वर्ण पदक निधि	एनआरआई द्वारा दान की गई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	(स्वर्गीय) श्री सुब्बा रामी -रेड्डी व राजम्मा छात्रवृत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) प्रारंभिक अतिशेष (एफडीआर में निधि का अंकित मूल्य	110217	100973	61551	272741	208336
ख) निधि में जोड़ दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ग) **ब्याज अर्जित परंतु देय नहीं (अनंतिम)**					
i) पिछले वर्ष के अंत तक				0	47912
ii) वर्ष के लिए उपार्जित ब्याज	6196	-3408	3461	6249	16493
iii) चालु वर्ष के अंत तक कुल	6196	-3408	3461	6249	64405
घ) कुल क + ख + ग (iii)	116413	97565	65012	278990	272741
च) उपयोगिता/निधि के प्रयोजनो के प्रति व्यय	-	-	-	-	-
i. **पूंजीगत व्यय**					
- स्थिर परिसंपत्ति					
- अन्य					
कुल च (I)					
ii. **राजस्व व्यय**					
वेतन, मज़दूरी और भत्ता आदि					
- किराया					
अन्य प्रशासनिक व्यय					
कुल च (ii)					
कुल (च)	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में कुल शेष (घ - च)	**116,413**	**97,565**	**65,012**	**278,990**	**272,741**

नोट: 1 अथशेष 2016-17 में नवीनीकृत एफडी के अंकित मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है (रु 208336)
2 टीडीएस कटौती स्रोत, यदि कोई हो, विवरण के लिए उपलब्ध नहीं कराया गया है.
3 बैंक (एसबीआई) द्वारा प्रमाणित वर्ष के लिए अर्जित ब्याज (16493 रु.)

(राशि रु.में)

अनुसूची 4 - प्रारक्षित ऋण और उधार :	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 केंद्र सरकार	-	-
2 राज्य सरकार (उल्लेख करें)		
3 वित्तीय संस्थान क) आवधिक ऋण		
ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
4 बैंक: क) आवधिक ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
ख) अन्य ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
5 अन्य संस्थान व एजेन्सियां		
6 डिबेंचर व बांड		
7 अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	-	-

नोट: एक वर्ष के भीतर देय रकम

(राशि रु.में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण और उधार :	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 केंद्र सरकार	-	-
2 राज्य सरकार (उल्लेख करें)		
3 वित्तीय संस्थान		
क) आवधिक ऋण		
ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
4 बैंक: क) आवधिक ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
ख) अन्य ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
5 अन्य संस्थान व एजेन्सियां		
6 डिबेंचर व बांड		
7 सावधि जमा		
8 अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	-	-

नोट: एक वर्ष के भीतर देय रकम

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2022 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

	अनुसूची 6 - आस्थगित क्रेडिट देयता	चालु वर्ष	पिछला वर्ष
क)	पूंजीगत उपस्कर तथा अन्य परिसंपत्तियों को गिरवी रखते हुए प्रारक्षित स्वीकारोक्तियां	-	-
ख)	अन्य		
	कुल	-	-

	अनुसूची 7 - चालु दायित्व व प्रावधान	चालु वर्ष	पिछला वर्ष
क.	**चालू दायित्व**		
1	**स्वीकारोक्तियां**	**-**	**-**
2	**विविध लेनदार**		
	. क) माल के लिए	-	-
	. ख) अन्य के लिए	11535	11535
3	**प्राप्त अग्रिम राशि**		
	. क) साइकल स्टैंड पट्टे की रकम	-	-
	. ख) अन्य		
4	**उपार्जित ब्याज परंतु देय नहीं**		
	. क) प्रारक्षित ऋण /उधार		
	. ख) अप्रारक्षित ऋण /उधार		
5	**सांविधिक देयताएं**		
	क) अतिशोध्य	-	-
	. ख) अन्य – जीएसटी	944090	590381
6	**अन्य चालू देयताएं**		
.	क) पुनर्वैधीकरण के लिए प्रस्तावित खर्च न किया गया अनुदान	8059194	
	ख) बयाना रकम / प्रतिभूति जमा (कृपया अनुबंध देखें)	2823600	6374939
	c. ग) विविध (सेस)	5160	
	d. घ) सोलार पॉवर प्लांट के लिए टीएसआरईडीसीओ को देय राशि	-	
7	**बकाया देयताएं - राजस्व लेखा**		
	i. छुट्टी वेतन और पेंशन अभिदान	-	-
	ii. महालेखाकार को देय लेखा परीक्षा शुल्क	200000	200000
	iii. सीआईएसएफ को भुगतान	-	-
	iv. पेंशन व सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान	-	-
	v. देय वेतन व भत्ता, बोनस,छुट्टी यात्रा रियायत,समयोपरी भत्ता इत्यादि		0
	vi. टेलीफोन प्रभार इत्यादि		471
	vii. कर्मचारियों को जीपीएफ अभिदान पर ब्याज	-	-
	viii रखरखाव व्यय		
	ix. विधि व्यय	-	-
	x. आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	120000	110000
	xi. संकलन शुल्क देय	20000	20000
	कुल - क	**12183579**	**7307326**
	ख. प्रावधान		
	कराधान		
	उपदान	..	..
	संचित छुट्टी नकदीकरण	..	..
	अधिवार्षिता पेंशन	..	..
	कुल - ख	**..**	**..**
	कुल (क + ख)	**12183579**	**7307326**

सालार जंग संग्रहालय

दि.31 मार्च 2022 को नियत परिसंपत्तियां और चल रहे कार्य

(राशि रु.में)

अनुसूची 8			सकल ब्लाक								निवल ब्लाक	
क्रम सं	नियत परिसंपत्तियां परिसंपत्ति का नाम	उपयोगी लाईफ	वर्ष के आरंभ में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौतियां	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
	1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(क)	नियत परिसंपत्तियां											
1	भूमि		1,795,603			1,795,603					1,795,603	1,795,603
2	भवन	60										
	- संग्रहालय		458,854,772		-	458,854,772	91,461,902	8,912,140		100,374,042	358,480,730	367,392,870
	- अग्नीशमन		3,814,651		-	3,814,651	728,178	75,300		803,478	3,011,173	3,086,473
	- मौजुदा भवन विकास		6,215,590	708,715	-	6,924,305	296,231	155,513		451,744	6,472,561	5,919,359
	- प्रेक्षागृह		301,552		(50,693)	250,859	7,182	(700)		6,482	244,377	294,370
	- बुकिंग कर्यालय विस्तार		1,740,212	310,526		2,050,738	41,444	4,791		46,235	2,004,503	1,698,768
	- वीआईपी लांज		114,602		(50,620)	63,982	2,729	(959)		1,770	62,212	111,873
	- परस्पर संवादात्मक गतिविधी केंद्र		14,792,620			14,792,620	352,297	56,947		409,244	14,383,376	14,440,323
3	यंत्र, संयंत्र और उपस्कर	15			-							
	- डीज़ल जनरेटर व ए सी प्लांट		7,847,485		-	7,847,485	6,346,577	203,496		6,550,073	1,297,412	1,500,908
	- संयत्र उपस्कर व औजार		7,433,024		-	7,433,024	5,373,311	515,308		5,888,619	1,544,405	2,059,713
	- फायर हाईड्रंट / अलार्म		39,639,130		-	39,639,130	27,013,571	2,198,935		29,212,506	10,426,624	12,625,559
4	वाहन	10	1,805,470		-	1,805,470	1,763,038	5,657		1,768,695	36,775	42,432
5	फर्नीचर व फिक्सचर	10	16,837,780	98,554	15,930	16,952,264	14,894,205	506,000		15,400,205	1,552,059	1,943,575
6	शोकेस व वॉल पैनलिंग	8	2,734,406		-	2,734,406	2,388,627	53,186		2,441,813	292,593	345,779
7	दीर्घाओं का पुनर्गठन	8	131,219,739	1,455,206	-	132,674,945	101,621,741	5,300,706		106,922,447	25,752,498	29,597,998
	-पूर्वी ब्लॉक दूसरी मंजिल का विस्तार		374,841			374,841		46,855		46,855	327,986	374,841
8	फाल्स सीलिंग	10	13,784,412		-	13,784,412	7,558,365	2,171,087		9,729,452	4,054,960	6,226,047
9	डिसप्ले ऑफिस		378,220		-	378,220	378,220			378,220	-	-
10	विद्युत व अन्य उपस्कर	10			-			-				
	- विद्युत व कार्यालय उपस्कर		34,440,022		50,693	34,490,715	27,239,405	2,294,079		29,533,484	4,957,231	7,200,617
	- फोटोग्राफी उपस्कर		2,169,667		-	2,169,667	1,957,354	55,841		2,013,195	156,472	212,313
	- डिजिटलैजेशन व प्रलेखीकरण (आरएफआईडी)		3,339,801	29,500	-	3,369,301	483,563	358,170		841,733	2,527,568	2,856,238
	- रसायनिक प्रयोगशाला उपस्कर		6,793,727		-	6,793,727	3,508,873	980,576		4,489,449	2,304,278	3,284,854
	- सुरक्षा उपस्कर		25,526,913	344,106	-	25,871,019	21,575,292	1,440,729		23,016,021	2,854,998	3,951,621
	- सामूहिक शिक्षा		2,798,135		-	2,798,135	2,798,135			2,798,135	(0)	(0)
	- जन संबोधन प्रणाली		9,214,041		-	9,214,041	5,950,703	1,675,074		7,625,777	1,588,264	3,263,338
	- टाइपराइटर्स		139,873		-	139,873	139,873	-		139,873	(0)	(0)
	- कैलकुलेटर्स		20,526		-	20,526	20,526	-		20,526	(0)	(0)
	-ऊर्जा बचत पंखे		197,950			197,950	9,345	20,266		29,611	168,339	188,605
11	कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	3	4,794,069	244,499	94,400	5,132,968	4,643,535	119,386		4,762,921	370,047	150,534
	कुल अग्रानीत		**799,118,833**	**3,191,106**	**59,710**	**802,369,649**	**328,554,221**	**27,148,383**		**355,702,604**	**446,667,045**	**470,564,612**

	1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	कुल अग्रानीत		**799,118,833**	**3,191,106**	**59,710**	**802,369,649**	**328,554,221**	**27,148,383**		**355,702,604**	**446,667,045**	**470,564,612**
12	**विद्युत प्रतिष्ठान**	10			-							
	- दीर्घाओं का वातानुकूलन		29,617,437	102,768	50,620	29,770,825	18,719,138	1,686,886		20,406,024	9,364,801	10,898,299
	- सोलार पॉवर प्लांट		33,094,953		-	33,094,953	12,966,587	3,957,083		16,923,670	16,171,283	20,128,366
	- सोलार पॉवर प्लांट (सहायता प्राप्त)		12,017,630		-	12,017,630	3,642,734	1,727,345		5,370,079	6,647,551	8,374,896
	- सीसीटीवी उपस्कर		76,865,930		-	76,865,930	62,918,309	4,545,625		67,463,934	9,401,996	13,947,621
13	पुस्तकालय के पुस्तक		10,753,428	75,325	-	10,828,753	-	-		-	10,828,753	10,753,428
14	कलाकृतियों की कीमत		3,251,008		-	3,251,008	-	-		-	3,251,008	3,251,008
15	पांडुलिपियां व माइक्रोफिल्म		2,342,154		-	2,342,154	-	-		-	2,342,154	2,342,154
16	**अन्य नियत परिसंपत्तियां**	30				-		-				
	- साइकल स्टैंड		40,506		-	40,506	28,406	1,346		29,752	10,754	12,100
	- इंडेक्स कैबिनेट		3,569,279		-	3,569,279	3,569,279			3,569,279	-	-
	- अल्युमिनियम पार्टिशन		454,707		-	454,707	454,707			454,707	-	-
	- पानी का फव्वारा		302,220		-	302,220	206,192	9,613		215,805	86,415	96,028
	- शेड (सुरक्षा चेक पाइंट)		341,040		-	341,040	28,453	11,366		39,819	301,221	312,587
17	भंडार का आधुनिकीकरण		8,777,224		-	8,777,224	8,777,224			8,777,224	-	-
	कुल - (क)		**980,546,349**	**3,369,199**	**110,330**	**984,025,878**	**439,865,251**	**39,087,647**		**- 478,952,898**	**505,072,980**	**540,681,098**
	पिछले वर्ष के आंकडे		939,999,702	40,546,647	-	980,546,349	388,960,711	48,863,471		- 437,824,182	540,681,098	551,038,991
(ख)	**पूंजीगत चल रहे कार्य**											
	क) भवन कार्य											
	- नये प्रॉजेक्ट भवन					-					-	
	- परस्पर गतिविधि केंद्र			1,620,895		1,620,895					1,620,895	
	ख) दीर्घाओं का पुनर्गठन		9,307,540	5,009,906	(182,905)	14,134,541					14,134,541	9,307,540
	ग) उपकरणों का संरक्षण					-						
	घ) सुरक्षा उपकरणों का यूजी					-						
	च) डिजिटलैजेशन व प्रलेखीकरण					-						
	छ) जन सुविधाएं					-						
	ज) पुस्तकालय, पांडुलिपि संरक्षण					-						
	कुल जोड		**9,307,540**	**6,630,801**	**(182,905)**	**15,755,436**	-	-		-	**15,755,436**	**9,307,540**
	झ) फाल्स सीलिंग (दीर्घाएं)					-					-	
	ट) दीर्घाओं का वातानुकूलन					-					-	
	ठ) सोलार पॉवर प्लांट(60KWp) के लिए सहायता					-					-	-
	कुल - (ख)		**9,307,540**	**6,630,801**	**(182,905)**	**15,755,436**	-	-		-	**15,755,436**	**9,307,540**
	कुल (क + ख)		**989,853,889**	**10,000,000**	**(72,575)**	**999,781,314**	**439,865,251**	**39,087,647**		**478,952,898**	**520,828,416**	**549,988,638**

टिप्पणियां:

1) मंत्रालय द्वारा वर्ष के दौरान जारी किए गए सीसीए फंड से किए गए पूंजीगत व्यय को शुरु में (बी) डब्ल्यूआईपी में परिवर्द्धन के तहत दिखाया गया है और संपूर्ण वस्तुओं को संबंधित श्रेणियों में घटाया और जोडा गया है.
2) पूंजीगत गैलरी रु.16,38,111/- में मार्बल गैलरी रु.39,375/-, फर्नीचर गैलरी रु.41,964/-, कांस्य गैलरी रु.6,23,704/-, बिदरी गैलरी रु.4,61,962/-, मूर्तिकला रु.4,33,936/-, बाल गैलरी रु. 37,170/- शामिल है।
3) चल रहे पूंजीगत कार्यों में इस्लामिक कला दीर्घा रु. 97,75,694/-, परस्पर संवाद केंद्र रु. 16,20,895/-, संस्थापक गैलरी रु.43,58,847/-

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2022 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 9 - चिह्नित/धर्मदाय निधियों से निवेश	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर व बांड	-	-
5. सहायकी और संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य - राष्ट्रीयकृत बैंकों में आवधिक जमा	-	-

धर्मदाय निधि विवरण	एफ डी के नवीकृत मूल्य	पिछली नवीकृत तारीख	नवीकरण की अवधि	ब्याज दर (प्रतिशत) %	31.03.2021 तक उपार्जित ब्याज	वर्ष के अंत तक	वर्ष के अंत तक
1 सालार जंग संग्रहालय स्वर्ण निधि	110217	5.3.2017	5	6.5	6196	116413	110217
2 एनआरआई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	100973	1.9.2016	4	7	-3408	97565	100973
3 (स्वर्गीय) श्री सुब्बा रामी रेड्डी व राजम्मा छात्रवृत्ति	61551	5.3.2017	5	6.5	3461	65012	61551
	272741				**6249**	**278990**	**272741**

(राशि रु.में)

अनुसूची 10 – निवेश - अन्य	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 सरकारी प्रतिभूतियों में		
2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3 शेयर		
4 डिबेंचर व बांड		
5 सहायकी और संयुक्त उद्यम		
6 - अन्य (उल्लेख किया जाए)		
कुल	-	-

(राशि रु.में)

अनुसूची 10 - क रद्दी परिसंपत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
रद्दी परिसंपत्ति	-	-
कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2022 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 11 - चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 **वस्तु सूची:**		
क) भंडार व पुर्जे		
ख) ख़ुले औज़ार		
ग) स्टाक - इन-ट्रेड		
i) तैयार माल		
ii) चालू काम		
iii) कच्चा माल		
प्रकाशन व कैसेटों का अंतिम माल (अनु.19 देखें)	1244521	1255196
2 **विविध ऋणी**		
क) छः महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	-	-
ख) अन्य	-	-
3 **हथगत में शेष राशि (कैश बैलेन्स इन हैंड)**	**81600**	**26460**
(चेक / ड्राफ्ट व अग्रदाय सहित)		
4 **बैंक बैलेन्स:**		
क) अनुसूचित बैंकों में:		
i) चालू खाते में	9,819,869	-1740731
ii) जमा खाते में (एफडी)	-	-
iii) बचत खाते में	7,310,036	13,704,014
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
i) चालू खाते में		
ii) जमा खाते में		
iii) बचत खाते में		
5 **डाक घर-बचत खाता**		
कुल - क	**18456026**	**13244939**
ख ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्ति		
1 **ऋण**		
क) कर्मचारी अग्रिम (अनुलग्नक देखें)	1053816	1408854
ख) एलटीसी / यात्रा भत्ता अग्रिम लंबित अंतिम निपटारा	-	-
ग) अन्य सत्ताएं जो समरूप गतिविधियों/प्रयोजनों में व्यस्त हों	-	-
घ) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
2 **नकद या उपाहार या मूल्य के लिए प्राप्य वसूलीय अग्रिम और अन्य रकम**	-	-
क) पूंजीगत खाते पर	-	-
ख) पूर्व भुगतान (वार्षिक अनुरक्षण ठेका)	0	
ग) अन्य जमा व अग्रिम (अनुलग्नक देखें)	4213858	4213858
घ) सोलार प्लांट (60किवांपी) के लिए टीएसआरईडीकं से प्राप्य सहायक राशि	8014	8014
च) साईकल स्टैंड ठेकेदार (पट्टे का किराया)		501957
छ) एचएचईसी से किराया - विद्युत प्रभार		623274
ज) टीएसटीडीसी - कैफेटेरिया किराया कमीशन, विद्युत और जल प्रभार	452495	280756
झ) टीएसटीडीसी सूचना सेंटर - किराया और विद्युत प्रभार		0
ट) एसबीआई एटीएम सेंटर - किराया और विद्युत प्रभार	66300	103646
ठ) हैदराबाद केफे - किराया और विद्युत प्रभार	0	316418
ड) हैदराबाद लैकर - किराया और विद्युत प्रभार	69164	60109
ढ) एसजे बैग शॉप - किराया और विद्युत प्रभार	41114	36714
ण) एसजे पर्लस और बैंगल्स - किराया और विद्युत प्रभार	70455	64980
त) एसजे चाय स्टाल - किराया और विद्युत प्रभार	111240	95471
थ) स्मारक सिक्का बिक्री काउंटर	2212	
द) अन्य देय - वसूली योग्य किराये पर जीएसटी		
ध) - एलएस और पीसी - (श्रीमती केदारेश्वरी)	298456	298456
न) - गायत्री होटल्स प्राइवेट लिमिटेड	54188	
3 **उपार्जित आय लेकिन देय नही :**		
क) चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश पर		-
ख) निवेशों पर- अन्य (सामान्य भविष्य निधि लेखे पर)		-
ग) ऋण और अग्रिमों पर		-
घ) अन्य (विद्युत जमा पर ब्याज)	104157	105526
4 **बिल / प्राप्य दावें - प्रकाशनों की लागत**	-	-
कुल (ख)	**6545469**	**8118033**
कुल चालू परिसंपत्तियां (क + ख)	**25001495**	**21362972**

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2022 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 12 - बिक्री/सेवा से आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 **बिक्री से आय**		
क. तैयार माल की बिक्री		...
ख. कच्चे माल की बिक्री		...
स्कैप की बिक्री		
2 **सेवाओं से आय**		
क. मज़दूरी व प्रक्रिया किए जाने का प्रभार		
ख. व्यावसायिक/परामर्श सेवा		
ग. एजन्सी कमीशन व ब्रोकरेज		
घ रखरखाव सेवाएं (उपस्कर/परिसंपत्ति)		
च. अन्य (उल्लेख करें)		
3. **प्रवेश टिकटों की बिक्री**	20,760,585	5,080,391
कुल	**20,760,585**	**5,080,391**

(राशि रु.में)

अनुसूची 13 - प्राप्त अनुदान/ सहायक अनुदान	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1 **केंद्र सरकार - वर्ष के दौरान**				
क i) एच.31 - सामान्य (केऔसुब तथा संग्रहालय अनुरक्षण)	167400000		74250000	
ii) एच.35 - परिसंपत्तियों के लिए पूंजीगत अभिदान(सीसीए)	10000000		10000000	
iii) एच.36 - वेतन	127000000		102494000	
iv) एच.96.31 - स्वच्छ भारत	200000		140000	
v) अनुदान सहायता वैश्विक शिखर सम्मेलन	4000000			
कुल - क		**308600000**		**186884000**
ख घटाएं **खर्च न किए गए अनुदान**				
i) सामान्य				-
ii) परिसंपत्तियों के लिए पूंजीगत अभिदान		..		-
iii) वेतन		..		-
iv) स्वच्छ भारत		..		-
कुल - ख		**-8059194**		**14255628**
ग वर्ष के दौरान खर्च किया गया कुल अनुदान (क - ख)		300540806		201139628
2 राज्य सरकार		-		-
3 सरकारी एजेंसियां		-		-
4 संस्थानें / कल्याण निकाय		-		-
5 अंतर्राष्ट्रीय संगठन		-		-
6 अन्य (उल्लेख करें)		-		-
कुल		**300540806**		**201139628**

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2022 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 14 -शुल्क / अभिदान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक शुल्क/अभिदान	-	-
3) संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क	-	-
4) परामर्श शुल्क	-	-
5) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि रु.में)

अनुसूची 15 - निवेश से आय (निधि को अंतरित चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश पर आय)	चिह्नित निधि से निवेश		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 ब्याज				
क) : सरकारी प्रतिभूति पर	-	-	-	-
ख) : अन्य बांड और डिबेंचर	-	-	-	-
ग) : आवधिक जमा	6249	16493	-	-
2 लाभांश (डिविडेंड)	-	-	-	-
क) : शेयर पर	-	-	-	-
ख) : म्युचुअल निधि प्रतिभूति पर	-	-	-	-
3 किराया	-	-	-	-
4 अन्य	-	-	-	-
कुल	**6249**	**16493**	**-**	**-**
चिह्नित/धर्मदाय निधि में अंतरित (अनुसूची 3 और 9 देखें)	**6249**	**16493**	**-**	**-**

(राशि रु.में)

अनुसूची 16 - रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय,	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) रॉयल्टी से आय	-	-
ख) प्रकाशनों से आय	-	-
ग) अन्य (स्पष्ट करें)		
कुल	**0**	**0**

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2022 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

	अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	**समयावधि निवेश पर :**		
	क. अनुसूचित बैंकों से	-	-
	ख. गैर-अनुसूचित बैंकों से	-	-
	ग. संस्थानों से	-	-
	घ. अन्य	-	-
2	**बचत लेखा पर**		
	क. अनुसूचित बैंकों से	469614	457602
	ख. गैर-अनुसूचित बैंकों से	-	-
	ग. डाक घर बचत लेखा	-	-
	घ. अन्य	-	-
3	**ऋण पर :**		
	क. कर्मचारी / कर्मी	662076	820300
	ख. अन्य		-
4	विद्युत जमा और देनदार तथा अन्य प्राप्य के ब्याज	104157	105526
	कुल	**1235847**	**1383428**

(राशि रु.में)

	अनुसूची 18 - अन्य आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	बिक्री /परिसंपत्तियों के निपटारे से प्राप्त लाभ:		
	क) निजी परिसंपत्तियां	-	-
	ख) अनुदान या मुफ्त में अर्जित परिसंपत्तियां	-	-
2	वसूले गए निर्यात उद्दीपक	-	-
3	विविध सेवाओं का शुल्क	78,883	-
4	विविध आय		
	क) सैकल स्टैंड का पट्टा किराया	282688	
	ख) टीएसटीडीसी रेटोरेंट किराया, कमीशन आदि	220908	80772
	ग) एचएचईसी से प्राप्त किराया	34729	
	घ) एटीएम सेंटर के लिए एसबीआई से किराया प्राप्तियां	180000	180000
	च) टीएसटीडीसी सूचना केंद्र से किराया प्राप्तियां		
	छ) बैग शॉप से प्राप्त किराया	41610	
	ज) स्मारक सिक्का बिक्री से प्राप्त किराया	14323	
	झ) हैदराबाद लैकर बैंगल से प्राप्त किराया	54000	
	ट) एसजे पर्लस् से प्राप्त किराया	54000	
	ठ) एसजे चाय स्टॉल से प्राप्त किराया	94500	
	ड) शॉप, प्रेक्षागृह से प्राप्त किराया	38000	
	ढ) तोलन मशीन से प्राप्तियां		
	ण) फुटकर प्राप्तियां		127678
	त) रद्दी की बिक्री	150422	
	थ) मुद्राशास्त्रीय सम्मेलन	49359	
	द) शूटिंग प्रभार	150000	
	ध) अर्जित किराया (अनुलग्नक देखें)	-279072	1173613
	न) अर्जित कमीशन	83165	22439
	प) पेंशन निधि से आय	1563897	
	कुल	**2,811,412**	**1584502**

सालार जंग संग्रहालय

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 18क -नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	0	0
कुल	**0**	**0**

(राशि रु.में)

अनुसूची 19 - तैयार माल के स्टाक में वृद्धि/कमी तथा चल रहे कार्य		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	अंतिम स्टॉक (प्रकाशन आदि)	1244521	1255196
	- तैयार माल		
	- चल रहे कार्य		
ख)कमी	आरंभिक स्टॉक	1255196	1276371
	- तैयार माल		
	- चल रहे कार्य		
	निवल वृद्धि (+) / कमी (-)	**-10675**	**-21175**

(राशि रु.में)

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	वेतन तथा मज़दूरी	71808961		67713556
ii)	महंगाई भत्ता			
	कुल (i + ii)		**71808961**	**67713556**
ख)	नई पेंशन योजना में जमा की गई राशि	955696	955696	1005678
ग)	बोनस			-
घ)	भविष्य निधि के लिए अंशदान			-
च)	कर्मचारी कल्याण व्यय			-
छ)	कर्मचारी सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभ			11087043
ज)	पेंशन / परिवार पेंशन भुगतान	44424456	44424456	37821815
झ)	शिक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति	711698	711698	1023397
ट)	समयोपरि भत्ता			0
ठ)	यात्रा भत्ता			-
ड)	चिकित्सा प्रतिपूर्ति	3877083	3877083	2072440
ढ)	छुट्टी यात्रा रियायत	280299	280299	596530
ण)	छुट्टी का नकदीकरण	293041	293041	405383
त)	मानदेय			
थ)	सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज		2,964,287	
द)	छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान (ज़ेडएओ, सीबीडीटी)	162591	162591	394672
ध)	पेंशनभोगियों को चिकित्सा बीमा	235000	235000	205000
	कुल		**125713112**	**122325514**

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 21- अन्य प्रशासनिक व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क क्रय (प्रकाशनों की छपाई)		
ख आउटसोर्सिंग और कर्मचारी आकस्मिक मज़दूरी	5,072,684	4,010,024
ग बिजली तथा पॉवर	4,008,088	2,947,730
घ जल प्रभार	195,617	224,043
च बीमा		
छ **मरम्मत तथा रखरखाव (मजदूरी आदि)**		
i भवन & बगीचे	11,319,824	4,350,077
ii विद्युत, जेनरेटर & एसी. संयंत्र व लिफ्ट	5,698,682	2,723,520
iii जल निर्माण कार्य जन सुविधाएं	1,259,395	739,431
iv डिजिटाईजेशन और फोटो सेक्शन	735,539	523,079
v सांस्कृतिक व सामूहिक शिक्षा	1,237,072	96,054
vi रसायनिक संरक्षण व परिरक्षण	295,278	401,674
vii पुस्तकालय	962,273	319,641
viii पांडुलिपि अनुभाग	487,632	157,826
ix कार्यालय उपकरण	5,245,145	3,625,105
x सुरक्षा प्रणाली और उपकरण	6,026,854	5,088,326
ज उत्पाद शुल्क		
झ किराया,दर तथा कर	1,935,911	1,932,942
ट वाहन,चालन तथा रख-रखाव व्यय	444,000	441,000
ठ ड़ाक, टेलीफोन तथा संचार प्रभार	197,493	248,725
ड लेखन सामग्री (टिकटों) का मुद्रण	438,700	255,360
ढ यात्रा तथा परिवहन व्यय	68,639	
ण संगोष्ठी / कार्यशालाओं पर व्यय	3,079,098	
त अभिदान (टैगोर फेलोशिप छात्रवृत्ति)		683,531
थ शुल्क		
द लेखा परीक्षकों का पारिश्रामिक (एजी)	271,920	
ध आतिथ्य व्यय		
न व्यायसायिक प्रभार (आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क)		28,000
प अशोध्य तथा संदिग्ध ऋण / अग्रिमों के लिए प्रावधान		
फ अप्राप्य शेष को बट्टे खाते में डालना		
ब विज्ञापन तथा प्रचार-प्रसार	134,070	71,196
भ अन्य (स्पष्ट करें)		
1 संकलन शुल्क	20,000	20,000
2 कानूनी व्यय	17,850	20,500
3 बैंक प्रभार	4,453	4,111
4 सैनिटेशन / स्वच्छ भारत	200,000	140,000
5 श्रृव्य गाइड	502,000	
6 ब्याज व्यय	2,685,575	
7 एएमसी ठेका	271,037	12,000
कुल	**52814829**	**29,063,895**

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 21-क - केंऔसुब पर व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	वेतन एवं भत्ते	135,482,580	44,647,242
2	चिकित्सा व्यय	1,757,349	1,262,561
3	अन्य व्यय (के.औ सु ब उपकरण का अनुरक्षण)	880,410	531,210
	कुल	138,120,339	46,441,013

(राशि रु.में)

अनुसूची 21-ख - पूर्व अवधि समायोजन	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	प्राप्तियां	व्यय	प्राप्तियां	व्यय
1 एनपीएस (श्री चिट्टीबाबु) से प्राप्त राशि				
2 पिछले वर्षों से संबंधित एटीएम किराया				
3 जीपीएफ लेखा पर उपार्जित ब्याज और देय का प्रतिलेखन				
कुल				
शुद्ध समायोजन (प्राप्तियों पर अतिरिक्त व्यय)				
कुल (शुद्ध व्यय)				0

(राशि रु.में)

अनुसूची 22 - अनुदान , अभिदान आदि पर व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) संस्थान / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थान / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	-	-

नोट- हस्तियों के नाम, उनकी गतिविधियां अनुदान/अभिदान की राशि सहित, विवरण दिया जाए

(राशि रु.में)

अनुसूची 23 - ब्याज भुगतान		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	नियत जमा पर	-	-
2	अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
3	अन्य	-	-
	कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए लेखाओं की अनुसूची

अनुसूची - 24

लेखाकरण की महत्वपूर्ण नीतियां :

1. सालार जंग संग्रहालय के लेखों का रख-रखाव सालारजंग संग्रहालय अधिनियम 1961 की धारा 21 के अनुसार तथा वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा निर्धारित फार्म में किया जा रहा है. लेखों को प्रोद्भूत आधार पर तैयार किया जाता है तथा भारत के नियंत्रक व महालेखाकार के साथ परामर्श से केंद्र सरकार के द्वारा समय-समय पर जारी निदेशों के अनुरूप किया जाता है. ऐतिहासिक परंपरा लागत के आधार पर वित्तीय विवरणियां तैयार किए जाते हैं.

2. **भारत सरकार से अनुदानों की मान्यता :-**
अनुदानों को उनकी उपयोगिता/ स्वीकृति के आधार पर राजस्व अनुदान तथा पूंजीगत अनुदान के रूप में मान्यता दी जाती है. जीएफआर के अंतर्गत प्रावधानों के अनुसार वर्ष के लिए पूंजीगत और राजस्व पर व्यय प्राप्ति और भुगतान लेखा में अलग से दर्शाया गया है. अनुदान का लेखाकरण वास्तविक आधार पर किया गया है.

3. **नियत परिसंपत्तियां :-**
नियत परिसंपत्तियों का मूल्यांकन सभी प्रासंगिक और अधिप्राप्ति संबंधी अन्य सीधे व्यय को सम्मिलित कर, अधिप्राप्ति के लागत पर किया गया है.

4. **मूल्यह्रास :-**
क) वर्ष 1981-82 से 1999-2000 तक के लिए अनुदान निधि से अधिगृहित परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास का मूल्यांकन नहीं किया गया क्योंकि संग्रहालय एक गैर-वाणिज्यिक संस्था है जिसे केंद्रीय सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त होते हैं तथा परिसंपत्तियों का प्रतिस्थापन भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली नए अनुदान से ही किया जा सकता है. तथापि, मंत्रालय (भारत सरकार) की सूचना के अनुसार कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV के सीधे लाइन पद्धति के अंतर्गत निर्धारित दरों पर लेखा वर्ष 2000-01 से संग्रहालय की परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास उपलब्ध कराया गया है. वित्त वर्ष 2020-21 में, मूल्यह्रास प्रभारित करने के लिए संग्रहालय कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV से अनुसूची II में कंपनी अधिनियम 2013 में स्थानांतरित हो गया।

ख) संग्रहालय द्वारा संग्रहित पुस्तकालय की पुस्तकें, पांडुलिपियां, कलाकृतियां, तथा माइक्रोफिल्में आदि और संग्रहालय द्वारा खरीदी गई कलाकृतियों को छोडकर सभी परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास किया जा रहा है.

5. **कलाकृतियों का मूल्य :-**
उच्च न्यायालय, आंध्र प्रदेश द्वारा सालार जंग इस्टेट से लिए गए कलाकृतियां, सामान व जुड़नार, पुस्तकें , पांडुलिपियां आदि का मूल्य ज्ञात न होने के कारण तुलन-पत्र में उन्हें नहीं दिखाया गया. तथापि, कालांतर में प्राप्त किए गए कलाकृतियों का मूल्य लागत में दिखाया गया है.

6. संग्रहालय के कर्मचारियों के उपदान, छुट्टी नकदीकरण पर व्यय के लिए बही खाते में कोई प्रावधान नहीं किया गया. तथापि इसे नकद आधार पर लेखे में दर्शाया गया.

7. संग्रहालय के कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि लेखा अलग से बनाया रखा जा रहा है तथा इसकी सूची निम्नानुसार है.

.

लेखों पर टिप्पणीृ- (2021-22)

1. **सालार जंग संग्रहालय में कलाकृतियों की संख्या:**

कलाकृतियों की कुल संख्या (कलाकृतियां और गैर कलाकृतियां)	- 48,367
प्रदर्शित वस्तुओं / कलाकृतियों की संख्या	- 16,606
आरक्षित वस्तुओं / कलाकृतियों की संख्या	- 31,761

2. **अनुदानों का पुनर्वैधीकरण :**
रु.80,59,194/- की अव्ययित अनुदान राशि को वार्षिक लेखों में चालू देयताओं के रूप में दर्शाया गया है।

3. **मूल्यह्रास :**
(i) कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II में निर्धारित उपयोगी लाइफ के अनुसार खातों की पुस्तकों में मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।
(ii) वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 में TSREDCo के माध्यम से 600 KWp के लिए क्रमशः 98,00,330 रुपये, 14,82,300 रुपये और 7,35,000 रुपये (सौर संयंत्र की 30% परियोजना लागत पर) की सब्सिडी राशि जारी की गई और भारत सरकार, गैर-नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संबंधित वर्षों में 'पूंजीगत आरक्षित' के रूप में माना गया है (अनुसूची 2 देखें) और वर्ष के लिए प्रभारित मूल्यह्रास की राशि के अनुरूप आरक्षित राशि का हिस्सा 'आय और व्यय' खाते में स्थानांतरित किया जा रहा है।

4. **भूमी :**
अनुसूची 8 (स्थायी परिसंपत्तियां) के तहत 10 एकड़ और 62 गुंटे की भूमि, जिसका मूल्य 17,95,603 रुपये है, में संग्रहालय द्वारा अधिग्रहित भूमि की लागत के लिए 9,43,903 रुपये की राशि और 8,51,700 रुपये मूल्य की भूमि शामिल है, संग्रहालय को दान में दी गई।

5. **नई पेंशन योजना से संबंधित निधि :**
i) भारत सरकार ने स्वायत्त निकायों को दिनांक 30.01.2009 के पत्र सं. 1(13) /ईवी/2008 के अंतर्गत जारी किए गए अनुदेशों के प्रतिक्रिया में, सालार जंग संग्रहालय ने दिनांक 06.04.2009 के पत्र सं. एसजेएम /स्थापना/ एनपीएस/ 2009-75 के अंतर्गत नई पेंशन अंशदायी योजना में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है और इसे 2009-10 से कार्यान्वित किया जा रहा है.
ii) चालू वर्ष के दौरान नई पेंशन योजना में कर्मचारियों से वसूल की गई राशि रु 9,55,696/- (पिछले वर्ष रु 10,05,678/-) और संग्रहालय द्वारा समान रूप से अभिदान के साथ पेंशन नियामक प्राधिकरण के पास जमा की गई है.

6. चिह्नित / धर्मदाय निधि पर ब्याज प्रोद्भूत को संबंधित निधि लेखा में अंतरित किया गया है.

7. संस्कृति मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, बचत और जमा खातों पर अर्जित ब्याज मंत्रालय/भारत सरकार को देय है। बचत खाते पर वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज (4,69,614/- रुपये) है।

8. **जीएसटी**
क) केंऔसुब कर्मियों की 'तैनाती की लागत' पर सरकार को भुगतान किए गए जीएसटी का दावा पहले के वर्षों में 'रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म (आरसीएम) के तहत किया जाना था, जिसके परिणामस्वरूप सरकार के पास क्रेडिट बैलेंस हो गया है। वर्ष के दौरान किराए आदि पर एकत्रित जीएसटी सरकार के पास जमा शेष के समायोजन के लिए सरकार को प्रेषित नहीं किया गया है।
ख) उपार्जित तथा दुकानों से देय लीज रेंट पर रु.1,00,667/- की राशि का दावा जीएसटी उपरोक्त के मद्देनजर खातों में प्रदान नहीं किया गया है।

9. जहां कहीं आवश्यकता हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहबद्ध, पुनःव्यवस्थित तथा पुनःवर्गीकृत किया गया है.

10. आंकड़ों को निकटतम रुपयों में पूर्णांकित कर दर्शाया गया है.

सालार जंग संग्रहालय

31 मार्च, 2022 को समाप्त अवधि के लिए लेखाओं की अनुसूची

अनुसूची - 25

आकस्मिक देयताएं

1. संग्रहालय के विरुद्ध ऋण के रूप में न माने गए दावें

i संग्रहालय के 2 नए भवनों के निर्माण का सिविल ठेकेदार, मेसर्स एन.बी.सी.सी ने देय शेष राशि के रूप में 200.00 लाख रु का दावा किया है. मामला न्यायाधीन है

ii मेसर्स सॉलमन राजु तथा अन्य ने ठेकेदार द्वारा नियुक्त मज़दूर की मृत्यु के लिए संग्रहालय से 3.80 लाख रु के प्रतिपूर्ति की मांग की.. मामला न्यायाधीन है.

2. आकस्मिक देयताओं के रूप में माने गए अन्य दावों का विवरण

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	संग्रहालय की ओर से बैंक द्वारा खोले गए ऋण पत्र		
ख)	बैंक से रियायत प्राप्त बिल	कुछ नहीं	कुछ नहीं
ग)	आय कर / बिक्री कर के संबंध में विवादित मांगे		
घ)	आदेशों के अनुपालन न करने के लिए पार्टियों द्वारा किए गए दावें लेकिन संग्रहालय द्वारा इसका समर्थन नही किया गया.		

3. पूंजी दायित्व

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
पूंजी लेखा पर पूरा किए जानेवाले ठेकाओं को प्राक्कलित मूल्य जिनका प्रावधान नहीं किया गया तथा उसके लिए उपलब्ध नही किया गया.	कुछ नहीं	कुछ नहीं

4. पट्टे के दायित्व

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संयंत्र व मशीनरी के लिए वित्त पट्टा व्यवस्था के अंतर्गत आगे और किराये के दायित्व	कुछ नहीं	कुछ नहीं

5. विदेशी मुद्रा का लेन-देन

क) सीआईएफ आधार पर आयातों के मूल्य की गणना :

- तैयार माल की खरीदी
- कच्चा माल & संघटक (पारगमन सहित)

- पूंजी माल	कुछ नहीं	कुछ नहीं
- भंडार, पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तु		

ख) विदेशी मुद्रा में व्यय :

- यात्रा - विदेशी मुद्रा में वित्तीय संस्थान / बैंको को दी गई धनवापसी तथा ब्याज - बिक्री पर कमीशन - कानूनी तथा व्यायसायिक व्यय - विविध व्यय	कुछ नहीं	कुछ नहीं

ग) अर्जन - एफओबी के आधार पर निर्यात का मूल्य **6. लेखा परीक्षकों के लिए पारिश्रमिक :** - लेखा परीक्षकों के रूप में / कराधान विषय - प्रबंधन सेवाओं के लिए / प्रमाणीकरण के लिए / अन्य	कुछ नहीं	कुछ नहीं

1 से 25 तक के अनुसूचियों को अनुलग्नक बना कर 31.03.2022 के तुलन-पत्र का अभिन्न अंग बना दिया गया, तथा उस तारीख को आय तथा व्यय लेखा समाप्त हुई है..

सालार जंग संग्रहालय

अनुसूची 11(ख), 7 का अनुलग्नक (2021-2022)

(राशि रु.में)

अनुसूची 11(ख) - ऋण, अग्रिम तथा परिसंपत्तियां

1. बाहरी व्यक्तियों के पास अन्य जमा तथा अग्रिम

विवरण	31-3-2022 को	31-3-2021 को
(क) 1 बल्दिया पेट्रोल सप्लाई, हैदराबाद.	5000	5000
2 कार केर सेंटर, हैदराबाद	3000	3000
3 जूबिली डाक कार्यालय, हैदराबाद	1265	1265
4 दृश्य श्रव्य प्रचार निदेशक, नई दिल्ली	46646	46646
5 तेलंगाना राज्य विद्युत विभाग में प्रतिभूमि जमा	2912847	2912847
क) एल.टी.कनेक्शन		
ख) कर्मचारी क्वार्टर		
ग) एच.टी. कनेक्शन		
घ) अतिरिक्त प्रतिभूमि जमा		
6 सेल फोन जमा	9000	9000
7 विद्युत मीटर जमा	100	100
(ख) केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पास जमा	1236000	1236000
कुल (क + ख)	**4213858**	**4213858**

II. कर्मचारी अग्रिम (अनुसूची 11 ख)

विवरण	अथ शेष	भुगतान	वसूली	इति शेष
1 ग्रह निर्माण अग्रिम	1307902		306090	1001812
2 मोटर साईकिल अग्रिम	6800			6800
3 कंप्यूटर अग्रिम	91152		48948	42204
4 त्योहार अग्रिम	3000			3000
कुल (अनुसूची - 11 ख)	**1408854**	**-**	**355038**	**1053816**

अनुसूची - 7 चालू देयता

विवरण	अथ शेष	प्राप्तियां	धन वापसी	इति शेष
बयाना राशि / प्रतिभूति जमा	**6374939**	**389686**	**3941025**	**2823600**

सालार जंग संग्रहालय

अनुसूची 18 - वर्ष 2021-22 को अन्य आय

			31-3-2022 को			31-3-2021 को		
		अर्जित आय	**किराया**	**प्राप्य कमीशन**	**कुल**	**किराया**	**प्राप्य कमीशन**	**कुल**
1		टीएसटीडीसी किराया	202585	83165	285750	77176	22439	99615
2		एचएचईसी संग्रहालय-शॉप किराया				-	615000	615000
3		एसजे चाय स्टॉल	87000		87000	86400		86400
4		एसजे पर्लस और बैंगल्स	66900		66900	57600		57600
5		हैदराबाद लैकर बैंगल्स	66900		66900	57600		57600
6		एसबीआई एटीएम			-			0
7		हैदराबाद केफे	-238000		-238000	204000		204000
8		एसजे बैग शॉप	37500		37500	36480		36480
9		सैकिल स्टैंड	-501957		-501957	51957		51957
10		किराए की आय माफ			-	-12600		-12600
			-279072	**83165**	**-195907**	**1173613**	**22439**	**1196052**

सालार जंग संग्रहालय

31-03-22 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि - तुलन पत्र

(राशि रु.में)

पिछला वर्ष	देयताएं	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	परिसंपत्तियां	चालू वर्ष
28390216	वर्ष को समाप्त अभिदान (मार्च 2022 शामिल है) ब्रॉडशीट: 32003757 +मार्च, 22 के लिए: 11,33,512 के अनुसार	33137269	25800000 -	टीडीआर में निवेश	29300000
1123228	उपार्जित ब्याज	1167089	3713444	सामान्य भविष्य निधि नकद पुस्तिका के अनुसार इति शेष	5004358
29513444	**कुल**	**34304358**	**29513444**	**कुल**	**34304358**

वर्ष 2021-22 के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा

पिछला वर्ष	प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष
14638486	अथ शेष	3713444	6494104	निकासी	10377722
	एनपीएस से जीपीएस में गमन	2268435			
				टीडीआर में निवेश	3500000
9569711	अभिदान और धन वापसी	9936563	14000000		
	एफडीआर पर प्राप्त ब्याज		649	बैंक प्रभार	649
	ब्याज के लिए एसजेएम के मुख्य खाते से प्राप्ति	2964287	3713444	इति शेष द्वारा	5004358
24208197	**कुल**	**18882729**	**24208197**	**कुल**	**18882729**

31.03.2022 को समाप्त सामान्य भविष्य निधि लेखा (ब्रॉडशीट के अनुसार)

(राशि रु.में)

पिछला वर्ष	प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	विवरण	चालू वर्ष
23594813	अथ शेष	28390216	6494104	आहरण	10377722
9555293	कुल अभिदान और धन वापसी	11907169	28390216	ब्रॉडशीट के अनुसार इति शेष	32003757
1734214	उपार्जित ब्याज	2084094			
34884320	**कुल**	**42381479**	**34884320**	**कुल**	**42381479**

सालार जंग संग्रहालय

2021-22 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि निवेश

क्रम सं.	एफडीआर सं.	तारीख	अवधि	ब्याज दर प्रतिशत (%)	राशि रु.में
1	37478239633	18.01.2018	1463 दिन	6.00%	5,000,000
2	37478240571	18.01.2018	1463 दिन	6.00%	5,000,000
3	37646390106	11.04.2018	4 वर्ष	6.70%	1,800,000
4	39617985604	31.08.2020	9 महीने	4.40%	5,000,000
5	39617986584	31.08.2020	I वर्ष	5.10%	5,000,000
6	39617986084	31.08.2020	6 महीने	4.40%	4,000,000
7	40705257732	10.01.2022	6 म 10 दिन	4.40%	2,000,000
8	40705153131	10.01.2022	160 दिन	3.90%	1,500,000
				कुल	**29,300,000**

2021-22 को समाप्त वर्ष के लिए जमा और निकासी की अनुसूची

(राशि रु.में)

महीना और वर्ष	आर व पी लेखा के अनुसार जमा	ब्रॉडशीट के अनुसार जमा	निकासी
मार्च 21 का अभिदान अप्रैल 21 में पोस्ट किया गया		835683	
अप्रैल,2021	813683	813683	1635772
मई,2021	753355	753355	652000
जून,2021	746189	746189	627999
जुलाई,2021	703179	703179	357000
अगस्त ,2021	708411	708411	605000
सितंबर,2021	698722	698722	569983
अक्तूबर,2021	713722	713722	1809000
नवंबर,2021	702633	702633	736968
एनपीएस से जीपीएफमें गमन	2268435	2268435	
दिसंबर,2021	792633	792633	1497000
जनवरी,2022	1038512	1038512	432000
फरवरी, 2022	1132012	1132012	850000
मार्च. 2022	1133512		605000
	12204998	**11907169**	**10377722**

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद -500 004

सं.पीडीए(सी)/सीईए/यू-V/एसजेएम/एसएआर.2021-22/2022-23/ **दि.31.10.2022**

सेवा में,

सचिव,
भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय,
नई दिल्ली

महोदय,

विषय:- सालार जंग संग्रहालय (SJM), हैदराबाद के वर्ष 2021-22 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन.

* * *

सालार जंग संग्रहालय (SJM), हैदराबाद के वर्ष 2021-22 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संबंद्ध अनुलग्नक तथा वर्ष 2021-22 के लिए संस्थान के वार्षिक लेखा की एक प्रति के साथ संसद में प्रस्तुत करने के लिए अग्रेषित किया जाता है.

अनुरोध है कि संसद के दोनों सदनों में पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की तारीख सूचित की जाए.

इस पत्र के साथ संबंद्ध अनुलग्नक प्राप्त होने की पावती दी जाए.

भवदीय,

संलग्नक: यथोपरि

हस्ता/-
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

सं.पीडीए(सी)/सीईए/यू-V/एसजेएम/एसएआर.2021-22//2022-23/126 दि.31.10.2022

प्रतिलिपि :- निदेशक, सालार जंग संग्रहालय वर्ष 2021-22 के लिए वार्षिक लेखा (अंग्रेजी पाठ) की प्रति के साथ अनुरोध है कि इस कार्यालय को अनुमोदित वार्षिक लेखा 2021-22 की हिंदी पाठ (2 सेट) भिजवाने की व्यवस्था करे.

संलग्नक: यथोपरि

हस्ता/-
निदेशक/केंद्रीय व्यय लेखा परीक्षा
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के लेखा जोखा पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

हमने सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के संलग्न किए गए दि. 31 मार्च 2022 के तुलनपत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा की भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (ड्यूटी, शक्तियां व सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के अंतर्गत लेखा परीक्षा की है. यह वित्तीय विवरणियां संग्रहालय के प्रबंधन की जिम्मेदारी है. हमारी यह जिम्मेदारी है कि हमारी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणियों पर हम अपना मत व्यक्त करें.

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा वर्गीकरण, उत्कृष्ट लेखा करण अभ्यास एकाउंटिंग प्रैक्टिस, लेखा करण स्तर और प्रकटन मानदंड आदि के साथ पुष्टिकरण के संबंध में लेखा करण पध्दति पर टिप्पणियां. विधि, नियम व विनियमन (स्वामित्व और निरंतरता) और दक्षता एवं कार्यनिष्पादन पहलु आदि, यदि कोई हो, को निरीक्षण रिपोर्ट/ सीएजी के लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अलग से दिखाया जाए.

3. हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षा के स्तर में हमारी लेखा परीक्षा आयोजित की है. इस स्तर को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम योजना बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि इन वित्तीय विवरणियों में कोई भी गलतियां नहीं हैं. लेखा परीक्षा का अर्थ है परीक्षण के आधार पर राशि के समर्थन में साक्ष्य और वित्तीय विवरणियो में प्रकटन की जांच करना, लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण आकलनों का निर्धारण तथा वित्तीय विवरणियों का समस्त प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल है. हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारा मत सिद्ध करने के लिए एक उचित आधार है.

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं कि:

i. हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त की है, जो हमारी जानकारी के अनुसार हमारे लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए आवश्यक है.

ii. इस प्रतिवेदन द्वारा निपटाए गए तुलन पत्र, आय और व्यय खाते तथा प्राप्तियां और भुगतान खाते को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित केंद्रीय स्वायत्त निकायों (गैर-लाभकारी संगठनों और इसी तरह के संस्थानों) के लिए वित्तीय विवरणों के प्रारूप में तैयार किया गया है।

iii. हमारा मत है कि लेखे के लिए आवश्यक उचित पुस्तकों और अन्य संबंधित रिकार्डों को सालार ज़ंग संग्रहालय, हैदराबाद द्वारा यथा आवश्यक

अनुरक्षित किया गया है, जैसा कि हमारे द्वारा ऐसे पुस्तकों के किए गए परीक्षण से पता चलता है.

iv. इसके अतिरिक्त हम यह सूचित करते हैं कि

1.क. लेखा पर टिप्पणियां

क. तुलन पत्र

क.1 कॉर्पस/पूंजीगत निधि और देयताएं रु. 54.61 करोड़

क.1.1 चालू देयताएं और प्रावधान – रु. 1.22 करोड

क.1.1.1 वार्षिक लेखा 2020-21 पर पिछली पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में बताए जाने के बावजूद (वार्षिक लेखा पर एसएआर की टिप्पणी क.1.1.1. 2020-21) जीएसटी भुगतानों के गलत लेखांकन के संबंध में सालार ज़ंग संग्रहालय ने 2020-21 के वार्षिक लेखों में निम्नलिखित प्रकटीकरण और लेखांकन के गलत लेखांकन के साथ भी कायम रखा ।

'जीएसटी' भुगतान के बारे में एक खुलासा अनुसूची-24क के प्वाइंट 8(क) में किया गया था, जिसमें कहा गया था कि केंऔसुब कर्मियों की तैनाती की लागत पर सरकार पर भुगतान किया गया 'जीएसटी' रिवर्स चार्ज मैकानिज्म (आरसीएम) के तहत पहले के वर्षों में वापस दावा किया जाना बाकी था जो सरकार के साथ जमा शेष में था । इसलिए वर्ष के दौरान किराये आदि पर एकत्र किया गया 'जीएसटी' सरकार के पास जमा शेष के समायोजन के लिए सरकार को प्रेषित नहीं किया गया है।

वर्ष 2021-22 के दौरान संग्रहालय पर वर्ष के दौरान जीएसटी विभाग को रु.9,44,090 जीएसटी का भुगतान करने का बकाया था। चूंकि रु.2,39,85,086 का जमा शेष था, रु.9,44,090 के देय जीएसटी की राशि को जीएसटी के आईटीसी के खिलाफ गलत तरीके से समायोजित किया गया था। इसलिए, मार्च 2022 के अंत तक रु.2,30,40,996 (रु.2,39,85,086 – रु.9,44,090) जीएसटी का शुद्ध जमा शेष उपलब्ध था। इसके परिणामस्वरूप रु.2.30 करोड़ की सीमा तक वर्तमान देयताओं और प्रावधानों तथा चालू परिसंपत्तियों ऋणों और अग्रिमों दोनों को कम बताया गया।

इसके अलावा, यह भी खुलासा किया गया था कि (अनुसूची-24क के प्वाइंट 8(ख)) लीज़ किराये पर दावा किया जाना है और दुकानों से देय रु.1,00,667 की राशि उपरोक्त गैर-वैधानिक दायित्व प्रदान करना गलत है।

क.2 चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम: रु.2.50 करोड

क.2.2 वर्ष 2020-21 के प्रमाणित वार्षिक लेखों के अनुसार, चालू खातों के संबंध में समापन शेष रु.1,19,63,283 था और बचत खाता शून्य था। हालांकि, वार्षिक लेखों 2021-22 में प्रारंभिक शेष राशि को चालू खाते में (-) रु.17,40,731 और बचत खाते में रु.1,37,04,014 के प्रारंभिक शेष के रूप में गलत तरीके से दर्शाया गया था, जो कुल (शुद्ध) प्रारंभिक बैंक शेष राशि रु.1,19,63,283 थी। स्पष्टता और पारदर्शिता के लिए खाते की टिप्पणियों में वार्षिक लेखों में बैंक खातों के नेटिंग के तथ्य को प्रकट करने की आवश्यकता है।

ख. **आय और व्यय लेखा**

ख.1 **आय: रु.31.71 लाख**

ख.1.1 रु.7,39,957 (साइकिल स्टैंड से लीज़ किराये के लिए रु.5,01,957 और हैदराबाद कैफे से किराये के लिए रु.2,38,000) के अशोध्य ऋणों को अन्य प्रशासनिक व्यय आदि के तहत अनुसूची 21 के अंतर्गत आय और व्यय खाते मे व्यय के रूप में शामिल नहीं किया गया था। हालांकि अनुसूची 18 के तहत अन्य आय से कटौती के रूप में गलत तरीके से हिसाब लगाया गया था। इसके परिणामस्वरूप केंद्रीय स्वायत्त निकायों (गैर लाभकारी संगठनों और इसी तरह के संस्थानों) के लिए वित्तीय विवरणों के प्रारूप द्वारा निर्धारित लेखांकन के गैर-अनुपालन के अलावा आय और व्यय दोनों का रु.7.39 लाख तक कम लेखा-जोखा हुआ।

ख.2 **व्यय**

ख.2.1 राजस्व व्यय (आवर्ती) के रूप में प्रकृति में पूंजीगत (गैर-आवर्ती) खर्चों के गलत वर्गीकरण (त्रुटि या सिद्धांत) के कारण, उन्हें आय और व्यय खाते में गलत तरीके ले डेबिट किया गया जिसके परिणामस्वरूप व्यय का गलत लेखा-जोखा हुआ। इसके कारण घाटे का गलत आगमन हुआ जो रु.5.08.513 से अधिक था। चूकि अचल संपत्तियों की खरीद पर व्यय को गलत तरीके से राजस्व व्यय के रूप में माना गया था, इसके परिणामस्वरूप अचल संपत्तियों को कम करके और राजस्व व्यय का अधिक विवरण दिया गया था।

ख.2.2 केंद्रीय स्वायत्त निकायों (गैर लाभकारी संगठनों और इसी तरह के संस्थानों) के लिए वित्तीय विवरणों के प्रारूप के अनुसार, पूर्व अवधि और आसाधारण मदों को अलग-अलग प्रकट किया जाएगा ताकि वर्ष के लिए शुद्ध व्यय पर उसके प्रभाव का पता चल सके।

हालांकि, इन शर्तों के उल्लंघन में यह देखा गया है कि, पिछले वर्ष 2020-21 से संबंधित व्यय की मदों को गलत तरीके से आय और व्यय खाते में अन्य प्रशासनिक व्यय के अंतर्गत चालू वर्ष के व्यय के रूप में शामिल किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप अन्य प्रशासनिक व्यय और पूर्व अवधि के व्यय का रु.6,41,463 की सीमा तक अल्प विवरण का अधिक विवरण दिया गया था।

ग. सामान्य

1. अचल संपत्ति रजिस्टर की जांच के दौरान यह देखा गया है कि वर्ष के दौरान खरीदी गई सभी संपत्तियों के लिए कोई अलग प्रविष्टि नहीं है। प्रत्येक वस्तु और उनकी लागत का विवरण दिए बिना उनकी संबंधित श्रेणी के अंतर्गत संपत्ति का कुल जोड रजिस्टर में दर्ज किया गया था।

2. वार्षिक लेखा 2019-20 (एसएआर 2019-20 के सामान्य प्वाइंट 3) के लिए एसएआर में इंगित किए जाने के बावजूद बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान नहीं किया गया था।

3. वार्षिक लेखा 2019-20 (एसएआर 2019-20 के सामान्य प्वाइंट 3) के लिए पिछले एसएआर में इंगित किए जाने के बावजूद प्रत्येक बैंक खाते के लिए अलग से रोकड बही का रख-रखाव नहीं किया जा रहा है।

4. वार्षिक लेखा 2018-19 (एसएआर 2018-19 के सामान्य प्वाइंट 4) के लिए पिछले एसएआर में इंगित किए जाने के बावजूद जीपीएफ खातों के लिए आय और व्यय खाता तैयार नहीं किया गया है।

5. आय और व्यय खाते में सहायता अनुदान का लेखाकरण लेखा के प्रारूप द्वारा निर्धारित अनुसार नहीं किया गया था।

घ. सहायता अनुदान: वर्ष के दौरान प्राप्त कुल रु.30.86 करोड* सहायता अनुदान में से शून्य प्रारंभिक शेष के साथ संग्रहालय ने 31 मार्च 2022 के अंत तक रु.0,81 करोड की शेष राशि को छोडकर रु.30.05** करोड की राशि का उपयोग किया।

---

*(i) सामान्य रु.16.74 करोड़ (ii) पूंजीगत संपत्ति: रु.1.00 करोड़ (iii) वेतन: रु.12.70 कराड़ (iv) स्वच्छ भारत रु.0.02 करोड़ और (iv)वैश्विक शिखर सम्मेलन रु.0.40 करोड़

**(i) सामान्य व्यय: रु.16.31 करोड़ (ii) वर्ष के दौरान पूंजीगत संपत्ति: रु.1.00 करोड़ (ii) वेतन: रु.12.41 करोड़ (iii) स्वच्छ भारत रु.0.02 करोड़ और (iv) वैश्विक शिखर सम्मेलन रु.0.31 करोड़

च. प्रबंधन का पत्र

प्रबंधन का ध्यान आकर्षित करने वाली कमियों पर निवारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए अलग से प्रबंधन के पत्र के माध्यम से निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के सूचना में लाया गया.

v. इससे पूर्व पैरा में हमारी टिप्पणी के बावजूद हम यह सूचित करते हैं कि, इस प्रतिवेदन में दिए गए तुलनपत्र और आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा बही खाते के करार के अनुसार है.

vi. हमारी राय में तथा हमारी जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखा नीतियों तथा लेखा पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जानेवाले उक्त विवरण, और ऊपर बताई गई महत्वपूर्ण बातें और इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य बातों से भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किए जानेवाले लेखा सिद्धांतों का सही दृश्य प्रतीत होता है.

क. दि. 31 मार्च 2022 को सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद के कार्य-कलाप के मामलों से संबंधित तुलनपत्र और

ख. उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए ***घाटे*** से संबंधित आय व खर्च लेखा.

हस्ता/-
(अनिंद्या दासगुप्ता)
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), हैदराबाद

अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता :

सालार जंग संग्रहालय में कोई आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली नहीं है। यह कहा गया था कि एक संस्थागत आंतरिक लेखा परीक्षा वित्त और निरीक्षण प्रकोष्ठ का गठन किया गया था। वर्ष 2021-22 के लिए सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद की आंतरिक लेखा परीक्षा नहीं की गई थी।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता :

चूक की त्रुटियां और भूल की अशुद्धियों को देखते हुए आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त नहीं थी जैसा कि पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) में बताया गया है।

3. नियत परिसंपत्ति की वास्तविक जांच की प्रणाली :

वर्ष 2021-22 के लिए नियत परिसंपत्ति की वास्तविकता की जांच पूर्ण की गई,

4. वस्तुसूचियों की वास्तविक जांच की प्रणाली :

वर्ष 2021-22 के लिए वस्तुसूचियों की वास्तविकता की जांच पूर्ण की गई,

5. सांविधिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता :

सांविधिक देय राशियों का भुगतान नियमित रूप से किया गया था, सिवाय इसके कि अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट में इंगित किया गया था।

हस्ता/-
निदेशक/केंद्रीय व्यय लेखा परीक्षा.

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेज़ी में लिखित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेज़ी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।